सावन, मास , वर्ष-10, अंक 131, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुयये

प्रयागराज, मंगलवार 30 जुलाई, 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

10 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कौशलं बलम्

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियो का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का सिकंदराबाद मे रेलवे मे चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद मे चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

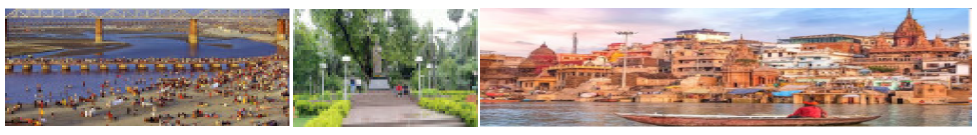

प्रदेश आस/पास

पेड़ पौधे लगाएंगे हम पृथ्वी को बचाएंगे हम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। बहादुरगंज स्थित प्रोग्रेसिव कोचिंग मे मुस्लिम राष्ट्रीय मंच पूर्वी उत्तर प्रदेश सहसयोजक फरीद साबरी के नेतृत्व में वृक्ष रोपण का कार्यक्रमज आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के लिए जागरूक किया गया इस अभियान का उद्देश्य वातावरण की स्थितियों पर केंद्रित करना और और हमारे ग्रह पृथ्वी के सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए यह आयोजन किया गया उपस्थिति में अखिलेश साहू शकील सलमानी मोहम्मद मामून वकील अहमद और वेदिका फाऊंडेशन से सुधांशु शर्मा और श्रीकांत शाह दआदिलोंग उपस्थित रहे।

आधुनिक समाचार की तरफ से स्टार विज्ञापन नायक को सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। आधुनिक समाचार वित्तीय वर्ष 23-24 में सार्वधिक. विज्ञापन संग्रह के रूप में कार्यालय प्रयागराज रहा द्वितीया स्थान पे सोनभद्र कार्यालय एवं तृतीया स्थान पे नैनी कार्यालय रहा विज्ञापन संग्रहकर्ता के रूप में प्रथम स्थान चिंता पांडे सोनभद्र एवं द्वितीय स्थान रामजी केसरवानी रहे जिनको सम्मान पत्र, चांदी का सिक्का, एवं उपहार देकर सम्पादक ने सम्मनित किया वित्तीय वर्ष 24-25 के लिए निणन्य लिया गया जो भी विज्ञान संग्रह होगा उसका प्रोत्साहन राशि के अलावा 1000 रुपये प्रति 1 ग्राम चांदी उपहार स्वरूप दी जाएगी।

72 शहीदों के उठे ताबूत जियारत कर अश्कबार हुई लोगों की आंखें; इमामबाड़े में उमड़े अजादार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गाजीपुर। हाजी सैयद फरमान हैदर ने बताया कि आज से ही इमाम जैनुल आबेदीन की शहादत के सिलसिले से मजलिस शुरू हो गई है। 24 और 25 मोहर्रम को ताबूत का जुलूस उठाया जाएगा। कार्यक्रम का अंत मगरिब की नमाज के साथ हुआ।सदर इमामबाड़ा लाटसरैया में अंजुमन आबिदिया और 27 अंजुमनों के सहयोग से 72 ताबूत का जुलूस उठाया गया। 21 मोहर्रम पर इमाम हुसैन का गम मनाने के लिए अजादार सदर इमामबाड़े में एकत्र हुए। कर्बला के 72 शहीदों की याद में जब ताबूत उठाए गए तो हर शख्स की आंखें अश्कबार हो उठीं। हजरत अली असगर का ताबूत देखकर महिलाएं जोर-जोर से रो पड़ीं। रविवार को मुख्य जुलूस लाट सरैया स्थित सदर इमामबाड़े पर उठाया गया। इसमें 72 ताबूत की शबीह जियारत के लिए सजाई गई। ये 72 ताबूत कर्बला के 72 शहीदों की याद में निकाले गए। जुलूस को शामिल रिजवी वजीर नकवी के संयोजन में अंजुमन आबिदिया एवं शहर की 27 अन्य अंजुमनों के सहयोग से उठाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आबिद अब्बास ने तिलावत-ए-कुरआन से किया। इसके बाद मायल चंदौलवी, गौहर बनारसी, राजी बिस्वानी एवं सलीम बलरामपुरी ने कलाम सुनाए। इसके बाद मौलाना शब्बीर वारसी ने मजलिस को खिताब किया और कहा कि हुसैन (अ.स.) की कुर्बानी दुनिया में मिसाल है। मजलिस के बाद अंजुमन जाफरिया दोषीपुर ने नौहा सुनाया। 72 ताबूत का परिचय जिशान आजमी ने अपने अंदाज में करवाया तो लोगों की आंखें पुरनम हो गईं। खास तौर पर हजरत अली असगर के ताबूत पर सभी गमख्वार दिखे। दरगाह में सज्जाद अली गुज्जन मोतवल्ली ने पूर्वांचल के कई जिलों से आए अजादारों का स्वागत किया।

एक और हेड कांस्टेबल गिरफ्तार, फरार चौकी इंचार्ज और दो सिपाहियों की तलाश दबिश जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

बलिया। बलिया में ट्रकों से अवैध वसूली के खेल का भंडाफोड़ होने के बाद पुलिस महकमे में आज तक खलबली मची है। वहीं, गिरफ्तार सिपाहियों ने पूछताछ में बताया है कि वसूली के 100 रुपये मिलते थे तो 60 थानाध्यक्ष पनन्लाल रखता था। 40 सिपाहियों और दलालों पर खर्च करता था।बलिया के नरही वसूली कांड में पुलिस ने एक अन्य आरोपी हेड कांस्टेबल विष्णु यादव को भी गिरफ्तार कर लिया है। एक दिन पहले ही पुलिस ने नरही के निलंबित एसओ पनन्लाल को गोरखपुर से गिरफ्तार किया था। प्रकरण में अभी निलंबित कोरंटाडीह चौकी इंचार्ज राजेश कुमार प्रभाकर और दो सिपाहियों के साथ कुछ दलालों की तलाश है। यूपी-बिहार बार्डर पर बक्सर गंगा पुल से होकर बलिया में आने वाले ट्रकों से अवैध वसूली पर एडीजी और डीआईजी ने बड़ी कार्रवाई की थी। मौके से दो पुलिसकमिर्यों के साथ 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।नरही थाना प्रभारी पनन्लाल, चौकी प्रभारी कोरंटाडीह राकेश प्रभाकर समेत सात पुलिसकमिर्यों और 16 प्राइवेट लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई थी। रविवार को हुई था कार्रवाई सीओ सदर शुभसुचित, नरही थाना प्रभारी पनन्लाल, चौकी प्रभारी कोरंटाडीह राकेश प्रभाकर समेत 18 पुलिकमिर्यों को निलंबित किया गया था। पांच पुलिसकर्मी फरार थे। इसमें पुलिस ने नरही के निलंबित एसओ पनन्लाल को रविवार को गोरखपुर से गिरफ्तार किया था। सोमवार को एक अन्य आरोपी हेड कांस्टेबल विष्णु यादव को भी गिरफ्तार कर लिया गया। प्रकरण में अभी निलंबित कोरंटाडीह चौकी इंचार्ज राजेश कुमार प्रभाकर और दो सिपाहियों के साथ कुछ दलालों की तलाश की जा रही है। एसपी विक्रांत वीर ने बताया कि गिरफ्तार पुलिसकमिर्यों को रिमांड के लिए न्यायालय वाराणसी भेजा गया है। अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उधर, गोरखपुर से गिरफ्तार किए गए निलंबित एसओ पनन्लाल को रविवार की रात में ही बलिया लाया गया। यहां डीआईजी और एसपी ने उससे घंटों पूछताछ की। रात में ही पुलिस अधिकारी पनन्लाल को लेकर नरही थाना पहुंचे। वहां उसकी मौजूदगी में उसके सील सरकारी आवास का ताला खोलकर उसमें रखे सामानों की जांच की गई। जरूरी सामानों को पुलिस अधिकारियों ने अपने कब्जे में ले लिया। सोमवार की सुबह एडीजी जोन भी बलिया पहुंचे। उन्होंने गिरफ्तार एसओ से पूछताछ की और फिर वापस चले गए।

बनारस के शाहिद ने 44 साल पहले जीता था स्वर्ण पदक, भारत को मिला था सम्मान; जानें- ये दिलचस्प बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

बनारस। बनारस के मोहम्मद शाहिद अब इस दुनिया में नहीं रहे लेकिन उनके खेल अंदाज को आज भी याद किया जाता है। उनकी पतनी ने अमर उजाला के साथ साक्षात्कार में कई बादें साझा की। मास्को ओलंपिक 1890 में भारत ने हॉकी मे स्वर्ण पदक जीता था। उस टीम में वाराणसी के मोहम्मद शाहिद भी शामिल थे। मोहम्मद शाहिद की पतनी परवीन शाहिद ने अपने घर पर वह स्वर्ण पदक दिखाया। आज भी उस पदक की चमक फीकी नहीं पड़ी है। परवीन शाहिद ने बताया कि वह प्रतिदिन उसको साफ करती है। उनके शौहर ने हॉकी में इतने पदक जीते हैं कि उनको साफ करने में तीन घंटे से अधिक समय लगता है।उन्होंने बताया कि उनके पति ने बांस की छोटी सी हॉकी खेलना शुरू किया था। क्योंकि उस समय छोटे साइज का हॉकी नहीं मिलती थी। पुलिस लाइन से उनका हॉकी का सफर शुरू हुआ जो तीन ओलंपिक तक चला। पद्मश्री और अर्जुन अवार्ड से सम्मानित मोहम्मद शाहिद की असमय निधन के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने उनकी याद को संजोने का काम किया।उनकी स्मृति में हर साल ऑल इंडिया मोहम्मद शाहिद प्राइज़ मनी हॉकी प्रतियोगिता वाराणसी में आयोजित करती है। साथ ही लखनऊ में गोमती नगर में मोहम्मद शाहिद के नाम से हॉकी का आधुनिक स्टेडियम का निर्माण भी कराया है।

महाकुंभ के पहले विभूति, नौचंदी और कालिंदी एक्सप्रेस को मिलेगा एलएचबी रेक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। इसी वजह से रेलवे प्रशासन ने इन तीनों ट्रेनों को एलएचबी रेक से लैस करने की तैयारी की है। एलएचबी कोच लगने के बाद जहां इन ट्रेनों की अधिकतम स्पीड बढ़ जाएगी तो वहीं दूसरी ओर बर्थ की संख्या में भी इजाफा हो जाएगा। वर्षों पुरानी बोगियों के सहारे दौड़ रहीं प्रयागराज रामबाग-हावड़ा विभूति एक्सप्रेस, प्रयागराज संगम-सहारनपुर नौचंदी एक्सप्रेस, प्रयागराज-भिवानी जंक्शन कालिंदी एक्सप्रेस ट्रेन का रेलवे ने कायाकल्प करने की तैयारी की है। इन ट्रेनों में पुराने आईसीएफ कोच की जगह

नई लिंक हाफमैन बुश (एलएचबी) बोगियां लगाई जाएंगी। बताया जा रहा है कि दिसंबर माह में यह तीनों ट्रेनें एलएचबी रेक से लैस हो जाएंगी। हावड़ा जाने वाली विभूति एक्सप्रेस पूर्व रेलवे, नौचंदी एक्सप्रेस उत्तर रेलवे एवं कालिंदी एक्सप्रेस उत्तर मध्य रेलवे द्वारा संचालित की जाती है। यह तीनों ही ट्रेनें पुराने आईसीएफ कोच के सहारे चल रही हैं। इन ट्रेनों में लगे कुछ कोच ऐसे हैं जो 20 वर्ष पुराने हैं। पुराने कोचे होने की वजह से इन्हें अधिकतम 110 किमी की रफ्तार से ही चलाया जा सकता है। इसी वजह से रेलवे प्रशासन ने इन तीनों ट्रेनों को एलएचबी रेक से लैस करने की तैयारी की है। एलएचबी कोच लगने के बाद जहां इन ट्रेनों की अधिकतम स्पीड बढ़ जाएगी तो वहीं दूसरी ओर बर्थ की संख्या में भी इजाफा हो जाएगा। कालिंदी एक्सप्रेस की बात करें तो इसमें पिछले वर्ष ही एलएचबी रेक लग जाना था लेकिन अब दिसंबर 2024 के पूर्व रेलवे इस ट्रेन में एलएचबी रेक लगा देगा। इसी तरह विभूति और नौचंदी एक्सप्रेस में भी एलएचबी रेक महाकुंभ के पूर्व लगाए जाने की तैयारी है।एलएचबी रेक वाली ट्रेनें 160 से 180 किमी की रफ्तार से दौड़ सकती हैं। यह कोच आईसीएफ कोच के मुकाबले हल्के होते हैं। एलएचबी कोच की लंबाई 23.54 मीटर एवं आईसीएफ कोच की लंबाई 21.77 मीटर होती है। आईसीएफ के मुकाबले एलएचबी कोच की खिड़कियां बड़ी और चौड़ी होती हैं। एलएचबी कोच 60 डेसिबल तक की आवाज करते हैं। इससे एसी कोच में कम आवाज रहती है जबकि आईसीएफ 100 डेसिबल तक की आवाज करते हैं।

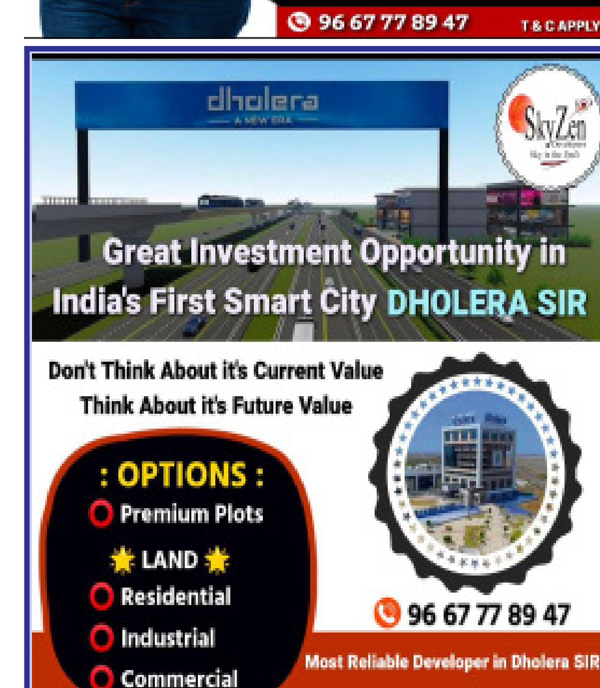

देश/विदेश

भारत

संक्षिप्त समाचार

बच्चों के बड़े बाल से परेशान मैडम ने खुद ही चला दी कैंची, पैरेंट्स ने काटा बवाल तो हुआ एक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
हैदराबाद। तेलंगाना के खम्मम जिले में एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका ने स्कूल में 15 छात्रों के बाल काट दिए। शिक्षिका ने बच्चों के बड़े बालों से तंग आकर ये कदम उठाया। अब विभाग ने उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए

शिक्षिका को निलंबित कर दिया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि ये घटना शनिवार को जिले के कल्लुरु मंडल में हुई। अधिकारियों ने एजेंसी को बताया कि शिक्षिका को जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है। शिक्षिका ने स्कूल परिसर में कक्षा 8, 9 और 10 के लगभग 15 छात्रों के बाल कैंची से काट दिए। बाल कटने से परेशान छात्रों ने अपने माता-पिता से शिकायत की, जिन्होंने शिक्षिका की हरकत के खिलाफ स्कूल के सामने विरोध प्रदर्शन किया।एक अधिकारी ने एजेंसी से कहा, 'बाल काटना शिक्षकों का काम नहीं है। यदि छात्र अनियमित हैं और यदि वे अनुशासनहीन हैं तो वह उनके माता-पिता को सूचित कर सकती थीं, पर उन्हें इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए था।' महिला शिक्षक ने कहा कि छात्रों को कई बार बाल कटवाने की सलाह दी गई, क्योंकि वे लंबे बालों के साथ कक्षाओं में आते थे। शिक्षिका ने मीडिया को बताया, 'चूंकि छात्र ऐसा करने में असफल रहे, इसलिए उन्हें बाल काटने पड़े।' उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ऐसा करना गलत था। हालांकि उन्होंने कहा कि कुछ छात्रों ने अपने बाल काटने पर आपत्ति जताई थी।

पहले देश, उसके बाद आता है धर्म', बाल विवाह पर केरल हाईकोर्ट ने कहा- सब पर लागू होता है कानून

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है कि बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 इस देश के प्रत्येक नागरिक पर लागू होता है, चाहे वह किसी भी धर्म का हो, क्योंकि प्रत्येक भारतीय पहले एक नागरिक है और फिर किसी धर्म का सदस्य बनता है। न्यायमूर्ति पी वी कुन्हिकृष्णन ने बाल विवाह के खिलाफ पलक्कड़

में 2012 में दर्ज एक मामले को रद्द करने की याचिका पर हालिया आदेश में कहा कि चाहे व्यक्ति किसी भी धर्म का हो, चाहे वह हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, पारसी आदि हो, यह अधिनियम सभी पर लागू होता है। केरल हाईकोर्ट ने बाल विवाह से जुड़े एक मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि कानून सभी पर एक समान रूप से लागू होता है फिर चाहे वह हिन्दू हो या मुस्लिम ईसाई पारसी या अन्य किसी धर्म का। कोर्ट ने कहा कि व्यक्ति पहले भारत का नागरिक है और सभी के लिए कानून एक जैसे हैं।याचिकाकर्ताओं, जिनमें तत्कालीन नाबालिग लड़की के पिता भी शामिल थे।

संसद में उठा यूपीएससा छात्रों की मौत का मुद्दा, अखिलेश यादव बोले दिल्ली में बुलडोजर चलेगा या नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी में डूबकर यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने वाली दो छात्राओं और एक छात्र की मौत हो गई। मामले में दिल्ली पुलिस और एमसीडी ने आरोपियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। ओल्ड राजिंदर नगर की घटना की गूंज सोमवार को संसद में भी सुनाई दी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने लोकसभा में हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई को लेकर सवाल उठाया।यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने राव कोचिंग सेंटर हादसे को दर्दनाक घटना बताया है। उन्होंने संसद में कहा, ठयह एक दर्दनाक घटना है। योजना बनाना और एनओसी देना अधिकारियों की जिम्मेदारी होती है। सवाल यह है कि कौन जिम्मेदार हैं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है? उन्होंने आगे कहा, ठयह अवैध निर्माण का सिर्फ एक मामला नहीं है, हम उत्तर प्रदेश में देख रहे हैं कि अवैध इमारतों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है, क्या यह सरकार यहां बुलडोजर चलाएगी या नहीं।

लोकसभा में जम्मू-कश्मीर से जुड़ा विधेयक पेश करेंगी वित्त मंत्री सीतारमण संसद में जारी रहेगी बजट पर चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सोमवार को चल रहे बजट सत्र के लिए संसद की बैठक होने वाली है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में कश्मीर विनियोग (नंबर 3) विधेयक, 2024 का मकसद वित्तीय वर्ष 2024-25 की सेवाओं के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की समेकित निधि से कुछ राशियों के पेश किए गए केंद्रीय बजट पर विपक्षी पाटिर्यों ने कुछ राज्यों को छोड़कर बाकी राज्यों के लिए भेदभावपूर्ण करने का आरोप लगाया है। इस बीच, केंद्रीय युवा और खेल राज्य मंत्री

जम्मू और कश्मीर विनियोग विधेयक, 2024 पेश करेंगी। व्यवसायों की लिस्ट में कहा गया है, ठनिर्मला सीतारमण वित्तीय वर्ष 2024-25 की सेवाओं के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की समेकित निधि से कुछ राशियों के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करने के लिए, साथ ही बिल पेश करने और सीतारमण इसे आगे बढ़ाने के लिए परमिशन देंगी।ठजम्मू-भुगतान और विनियोग को अधिकृत करना है। वित्त मंत्री के द्वारा जारी किए गए एजेंडे के मुताबिक, 23 जुलाई को पेश किए गए केंद्रीय बजट पर चर्चा सोमवार को संसद के दोनों सदनों में जारी रहेगी। वहीं, मंगलवार को पेश किए गए जम्मू-कश्मीर के बजट 2024-25 पर भी चर्चा जारी रहेगी। बता दें कि 23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में केंद्रीय बजट 2024 पेश किया। रक्षा निखिल खडसे लोकसभा में शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति की 327वीं रिपोर्ट में निहित सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति, खेल विभाग, युवा मामले और खेल मंत्रालय से संबंधित ओलंपिक खेलों, 2021 की तैयारी पर समिति की 317वीं रिपोर्ट में निहित सिफारिशों पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई को लेकर बयान देंगी।

मौत नहीं आपराधिक लापरवाही कांग्रेस ने दिल्ली कोचिंग हादसे को बताया सिस्टम की नाकामी, राहुल बोले- आम जन चुका रहा कीमत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।राजधानी दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में एक प्रमुख कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में बारिश का ने दिल्ली के राजेंद्र नगर के एक कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में हुई तीन छात्रों की हत्या पर सवाल उठाते हुए इसे आपराधिक

पानी भर जाने से सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की डूब कर हुई मौत को कांग्रेस ने आपराधिक लापरवाही बताते हुए तमाम सरकारी संस्थाओं की भयंकर नाकामी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। साथ ही पार्टी ने इसके लिए जिम्मेदार संस्थाओं की तत्काल जवाबदेही तय करने की मांग की है लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने तीन छात्रों की मौत पर गहरी संवेदना के साथ आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि आम लोग हर स्तर पर संस्थाओं की गैर-जिम्मेदारी की कीमत चुका रहे हैं। देश की राजधानी के प्रमुख इलाके में पानी निकासी की बेहद खस्ताहाली के चलते युवा सपनों की हुई मौत पर चौतरफा उभरते आक्रोश के सुरों से सुर मिलाते हुए कांग्रेस ने असमय काल के गाल में समा गए छात्रों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए जवाबदेही तय करने की यह मांग की।अत्प् र्एदम्प्हु घ्हम्हू कांग्रेस लापरवाही बताया है। पार्टी ने इसे सिस्टम की नाकामी बताते हुए जिम्मेदार अपराधियों पर कार्रवाई की मांग की है। राहुल खरगे और प्रियंका ने एक्स पर पोस्ट के माध्यम से घटना पर रोष जाहिर किया और मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'दिल्ली की एक बिल्डिंग के बेसमेंट में पानी भर जाने के कारण प्रतियोगी छात्रों की मृत्यु बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ दिन पहले बारिश के दौरान बिजली का करंट लगने से एक छात्र की मृत्यु हुई थी। सभी शोकाकुल परिजनों को अपनी भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। बुनियादी ढांचे का ऐसे ध्वस्त होना सिस्टम की संयुक्त असफलता है। असुरक्षित निर्माण, लचर टाऊन प्लानिंग और हर स्तर पर संस्थाओं की गैर-जवाबदेही की कीमत आम नागरिक अपना जीवन गंवा कर चुका रहा है। सुरक्षित और सुविधाजनक जीवन हर नागरिक का अधिकार और सरकारों का दायित्व है।

हेमंत सोरेन को राहत और ईडी को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने जमानत रद्द करने से किया इनकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय को बड़ा झटका दिया है।सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को जमानत देने

के झारखंड हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली ईडी की याचिका खारिज कर दी, जिसमें सोरेन को जमानत देने का आदेश दिया गया था। बता दें कि भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता सोरेन को गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय का 28 जून का आदेश 'बहुत ही तर्कसंगत' था।पीठ ने कहा, 'हम विवादित आदेश में हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक नहीं हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (व्श्) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन ने 31 जनवरी को उं द्वारा मामले में गिरफ्तार किए जाने से कुछ समय पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। मामले में जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद, उन्होंने 4 जुलाई को झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उच्च न्यायालय में सोरेन की जमानत याचिका का विरोध करते हुए ईडी ने आरोप लगाया था कि उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में अपने पद का दुरुपयोग किया और रांची के बार्गेन इलाके में 8.86 एकड़ जमीन ठअवैध रूप सेठ हासिल की। ??सोरेन के वकील ने तर्क दिया था कि केंद्रीय एजेंसी ने उन्हें आपराधिक मामले में झूठा फंसाया है। ईडी ने दावा किया था कि जांच के दौरान सोरेन के मीडिया सलाहकार अभिषेक प्रसाद ने स्वीकार किया था कि जेएमएम नेता ने उन्हें भूखंड के स्वामित्व विवरण को बदलने के लिए आधिकारिक अभिलेखों में हेरफेर करने का निर्देश दिया था। एजेंसी ने यह भी दावा किया था कि जमीन के मूल मालिक राज कुमार पाहन ने अपनी जमीन हड़पे जाने की शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की थी, लेकिन इस पर कभी कार्रवाई नहीं की गई। सोरेन को ईडी ने कई बार तलब किया, इससे पहले उनसे उनके आवास पर पूछताछ की गई और उसके बाद 31 जनवरी को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

लाखों में है राव कोचिंग सेंटर की फीस, इसी के बेसमेंट में डूबकर तीन आईएएस छात्रों की गई जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित कोचिंग सेंटर राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में जलभराव से तीन सिविल सेवा

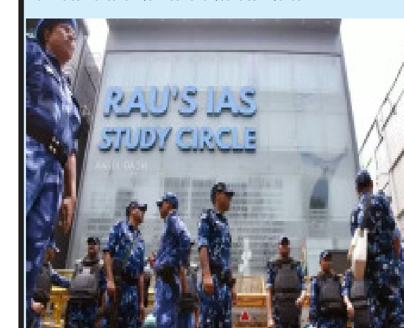

छात्रों की डूबने से मौत हो गई। हालांकि, आपको ये जानकर काफी हैरानी होगी की राव कोचिंग सेंटर केवल नौ से 10 महीने के कोर्स के लिए डेढ लाख से अधिक की फीस लेता है राव कोचिंग सेंटर की वेबसाइट के अनुसार, हर कोर्स की समय अवधि के तहत अलग फीस है। सामान्य अध्ययन (प्री और मेन्स) की कुल फीस 1 लाख 75 हजार 500 रुपये (ऑफलाइन) और 95,500 रुपये (लाइव-ऑनलाइन) की है। छह महीने के वैकल्पिक विषयों के पाठ्यक्रम की फीस 55,500 रुपये (ऑफलाइन) और 45,500 रुपये (लाइव-ऑनलाइन) की है। तीन महीने के सिविल सेवा योग्यता परीक्षा कोचिंग कोर्स की फीस 18,500 रुपये (ऑफलाइन) और 12,500 (लाइव-ऑनलाइन) है।पुलिस ने बताया कि दिल्ली अगिन्शमन विभाग को शनिवार शाम करीब 7 बजे राव आईएएस स्टडी सेंटर और करोल बाग इलाके में जलभराव की सूचना मिली थी। पुलिस को बताया गया कि दो या तीन छात्र बाढ़ वाले बेसमेंट में फंसे हुए हैं। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उन्होंने बेसमेंट में काफी पानी भरा हुआ पाया। जब पानी को बाहर निकालने का प्रयास किया गया तो शुरुआत में बाधा आई, क्योंकि बारिश का पानी बेसमेंट में जाता जा रहा था। हालांकि, जब सड़क से पानी कम हुआ, तो पानी के स्तर 12 फीट से घटकर आठ फीट तक हो गया। पानी कम होने के बाद पता चला की तीन छात्रों की मौत हो गई और उनके शवों को बाहर निकाला गया। 30 छात्र पानी में फंसे थे पुलिस ने घटना का विवरण देते हुए बताया कि कोचिंग सेंटर में लगभग 30 छात्र थे, जिनमें से 14 को बचा लिया गया और अस्पताल ले जाया गया, जबकि अन्य खुद बच निकल गए थे। इन तीन छात्रों की हुई मौत जिन तीन छात्रों की मौत हुई उनमें उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर की श्रेया यादव, तेलंगाना की तान्या सोनी और केरल के एर्नाकुलम के निविन दलविन शामिल हैं।

युवाओं के सपने चकनाचूर, परिवारों की उम्मीदें खत्म' दिल्ली कोचिंग सेंटर हादसे पर आया शशि थरूर का बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी में डूबकर यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने वाली दो छात्राओं और एक छात्र की मौत हो गई। इस मामले में कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर हादसे को शर्मनाक बताया है। समाचार एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में थरूर कहा कि ने जान गंवाने वाले छात्रों के परिवार बर्बाद हो गए हैं।सांसद थरूर कहा, ठयह शर्मनाक है, इसमें कोई शक नहीं है। उन युवाओं के सपने चकनाचूर हो गए हैं, उनके परिवारों की उम्मीदें भी खत्म हो गई हैं। यह देश के लिए, देश के भविष्य के लिए और युवाओं के भविष्य के लिए बेहद दुखद है। जब किसी की जान चली जाती है तो आप क्या उपाय कर सकते हैं उन्होंने जान गंवाने वालों के लिए मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह सुनिश्चित करना है कि इस तरह की घटना दोबारा न हो ताकि किसी को फिर से वही नुकसान न उठाना पड़े।

बाल्टिक सागर में खोजा गया 19वीं सदी का 'खजाना', 171 साल पुराने जहाज के मलबे में मिली बेशकीमती शैंपेन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बाल्टिक सागर की गहराई में डूबा हुआ 171 साल पुराना जहाज खोजा गया है। पोलिश गोताखोरों की टीम ने स्वीडन के तट से करीब 190 फीट की गहराई टीम के बारे में बताया कि वह बाल्टिक सागर में सबसे सक्रिय मलबा गोताखोरों में से एक है और अब तक हजारों मलबे की तस्वीरें ली है। लेकिन यह हालिया खोज अलग थी। स्टैचुरा ने कहा, ठमैं बोतलों पर जर्मन कंपनी सेल्टर्स का ब्रांड नाम है। बोतलों से ही खोजकर्ताओं को पता चला कि जहाज 1850-1867 के बीच डूबा हो सकता है। स्टैचुरा ने कहा कि अभी यह देखना बाकी है कि शैंपेन

में लंबे समय से पानी में डूबे जहाज का मलबा खोजा है। खोजकर्ताओं को जहाज पर शैंपेन, वाइन, मिनरल वाटर और पोर्सिलेन के सामान मिले हैं। खोजकर्ताओं के मुताबिक, बाल्टिक सागर की गहराई में डूबा जहाज शैंपेन की बंद बोतलों से भरा हुआ है। यह जहाज 19वीं सदी का है। पोलिश गोताखोरों की टीम ने बताया कि लंबे समय से पानी में डूबा जहाज लग्जरी शराब से भरा हुआ है। खोजकर्ताओं ने बताया कि जहाज पर 100 से अधिक शैंपेन की बोतलें हैं। जहाज को ढूंढने वाले पोलैंड के डाइविंग ग्रुप बाल्टिटेक के गोताखोर टोमाज स्टैचुरा का मानना है कि शिपमेंट रूसी जार (राजा) के लिए जा रहा होगा। टोमाज स्टैचुरा ने 40 वर्षों से गोता लगा रहा हूं और अक्सर ऐसा होता है कि एक या दो बोतलें होती हैं। लेकिन इतने ज्यादा माल के साथ हमने मलबे को पहली बार खोजा है।ठ उन्होंने कहा कि यह खोज काफी हद तक एक संयोग भी था, क्योंकि गोताखोर वर्षों से डूबे हुए जहाजों की तलाश में समुद्र तल में खोजबीन कर रहे हैं। जहाज को स्वीडन के ओलांद द्वीप से 37 किलोमीटर दूर समुद्र में ढूंढा गया है। स्टैचुरा ने बताया कि उनके दो डाइवर्स छोटी डाइव के लिए पानी में उतरे लेकिन दो घंटे तक बाहर नहीं निकले जिसके बाद उन्हें लग गया कि नीचे कुछ दिलचस्प है। उन्होंने बताया, ठहम पहले ही जान गए थे कि नीचे कुछ तो दिलचस्प है।ठ मलबे में मिली पीने लायक है या नहीं। हालांकि, एक उम्मीद में शैंपेन के कारण गोताखोर काफी उत्सव मना रहे थे। लेकिन पानी भी बेहद महत्वपूर्ण था, जो मध्य जर्मनी के एक खनिज झरने का है। 800 वर्षों से इस पानी को दुनिया भर में ले जाया जाता रहा है। गोताखोर और अंडरवाटर वीडियोग्राफर मारेक काकाज ने कहा कि मिट्टी की बोतल पर अंकित ब्रांड जर्मन कंपनी सेल्टर्स का था, जो आज भी उत्पादन करती है। खोजकर्ताओं के मुताबिक, इसकी कीमत इतनी ज्यादा थी, कि पुलिस को पहरा देना पड़ा। शैंपेन 1850-1867 के बीच बनाई गई थी। जिस बोतल में इसे पैक किया गया था, वह कंपनी आज भी मौजूद है और ज्यादा जानकारी के लिए उनसे संपर्क किया जाएगा।

उन्नत यूएवी बनाने के लिए अमेरिका भारत को देगा परामर्श 31 प्रीडेटर ड्रोन सौदे के तहत रखा जाएगा प्रस्ताव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमेरिका 3.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के 31 एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन सौदे के तहत उनन्त यूएवी बनाने के लिए भारत को परामर्श देगा। इसके तहत संस्थाओं को परामर्श प्रदान करने के अमेरिकी प्रस्ताव पर सोमवार को होने वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में चर्चा और मंजूरी के लिए उठाए जाने की उम्मीद है। यह मोदी सरकार के

अमेरिका ने स्वदेशी उनन्त मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) विकसित करने के लिए भारतीय संस्थाओं को परामर्श देने का प्रस्ताव रखा है। तीनों सेनाओं को मिलेंगे 31 ड्रोन सोमवार को होने वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में अमेरिका के इस प्रस्ताव पर मंथन किया जाएगा। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, परियोजना के हिस्से के रूप में एक उनन्त भारतीय ड्रोन विकसित करने के लिए भारतीय संस्थाओं को परामर्श प्रदान करने का अमेरिका ने प्रस्ताव रखा है। भारत और अमेरिका पिछले कुछ वर्षों से ड्रोन सौदे पर चर्चा कर रहे हैं, जिसके तहत तीनों सेनाओं को 31 ड्रोन मिलेंगे, जिनमें नौसेना को 15 और वायु सेना तथा थलसेना को दो-दो ड्रोन मिलेंगे।रक्षा सूत्रों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि परियोजना के हिस्से के रूप में उनन्त भारतीय ड्रोन विकसित करने के लिए भारतीय तीसरे कार्यकाल के तहत डीएसी की पहली बैठक होगी और इससे राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण प्रक्रिया को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि इस परामर्श से अत्यधिक उनन्त ड्रोन के विकास में लगने वाले समय में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। एमक्यू-9बी ड्रोन को भारतीय नौसेना द्वारा चेनन्ई के निकट आईएनएस राजाजी और गुजरात के पोरबंदर सहित चार स्थानों पर तैनात करने की योजना है, जबकि अन्य दो सेवाएं लंबी रनवे आवश्यकताओं के कारण उन्हें उत्तर प्रदेश के सरसावा और गोरखपुर में वायु सेना के ठिकानों पर संयुक्त रूप से रखेंगी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि सरकार से सरकार के बीच इस सौदे में शामिल अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स है, जिसके अधिकारियों ने पिछले कुछ सप्ताहों में इस संबंध में भारतीय पक्ष के साथ चर्चा की है।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

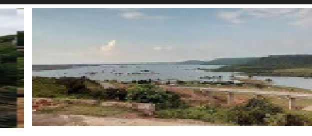

ग्राम पंचायत कुडवा में ब्याप्त भ्रस्टाचार को लेकर को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कोन / सोनभद्र। विकास खण्ड कोन के ग्राम पंचायत कुडवा में बीते दिनों ग्रामीणों ने पंचायत भवन पर भ्रस्टाचार को लेकर शांति पूर्ण तरीके से बैठक किया जिसमें प्रमुख मुद्दा गाँव की मध्य में पूर्व से बना पंचायत भवन पर बैठक न करके गाँव से बाहर बने सामुदायिक केन्द्र पर ही कागजी कोरम पूरा किया जाता है जो लोगों के लिए बहुत बड़ी समस्या है ।इसी क्रम में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को भेजे गये पत्र में आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री आवास व मुख्यमंत्री आवास के नाम पर चंद लोगों व कार्यरत सफाई कर्मी द्वारा खाता

होल्ड खुलवाने के नाम पर अबैध वसूली करने का सिलसिला अनवरत जारी है ।उक्त के क्रम में ग्रामीणों द्वारा जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल पंचायत भवन का संचालन पुराने भवन से कराने व अबैध वसूली में लिप्त दोषी लोगों के खिलाफ कठोर कार्यवाही किये जाने की मांग की है। प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से क्षेत्र पंचायत सदस्य समोध, गंगा प्रसाद यादव, जोगेंद, विश्वनाथ, मदन, अर्जुन, राजन आदि थे। इस संबंध में पूछे जाने पर ग्राम प्रधान सुजीत कुमार यादव उर्फ बुल्लु यादव का कहना है कि पंचायत भवन ध्वस्त हो गया जिससे संबंधित रिपोर्ट विभाग को भेज दिया गया है और अबैध वसूली से संबंधित मेरे संज्ञान में नहीं है।

आधार अपडेट कराने हेतु बैंक डाकघर पर लगी लंबी कतार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
फूलपुर । प्रदेश सरकार ने राशन कार्ड धारकों की यूनिटें अपडेट करने

हेतू आधार कार्ड अपडेट करना अनिवार्य कर दिया है। जिसके चलते बैंक डाकघर में लगे आधार सेन्टरों पर इतनी भीड़ बढ़ी कि पुलिस के भी पसीने छूट गए। थाना रोड पर स्थित यूनियन बैंक में रोड थाने तक जाम हो गई। जिसमें पुलिस को भारी मशक्कत करनी पड़ी। यही हाल डाकघर वाली गली का था। बताया गया कि जिसका राशन कार्ड अपडेट नहीं होगा उसे राशन प्राप्त करने में दिक्कतें होगी। मुख्य उद्देश्य था कि कई लोग स्वर्ग लोक पधार चुके हैं। तो कई रोजी-रोटी के चक्कर में परदेश में हैं। जहां कुछ लोगों ने राशन कार्ड ले रखे है अब सरकार को इन बारीकियां का पता चला तो अपडेट कराना अनिवार्य कर दिया। अब ना तो मुर्दे राशन ले पाएंगे ना ही वे लोग जिनका फिंगर अपडेट नहीं है। हालांकि इस नए नियम से काफी राशन का दुपन्योग बचेगा। परंतु अचानक यह आदेश करके कार्ड धारकों के लिए बहुत बड़ा झमेला पैदा कर दिया गया है। परिवार भर को आधार सेंटरों पर जाना दिन भर धक्का मुक्की खाना, वह भी प्रति कार्ड कथित रूप से कहीं 100 रुपया तो कहीं 50 रुपया अपडेट हेतु धन उगाही की भी फुसफुसाहट सुनाई पड़ी रही है। फूलपुर में भीषण गर्मी में दर्जनों बच्चे अविनाश उम्र करीब 11 वर्ष, करन उम्र करीब 12 वर्ष, आकांक्षा उम्र करीब 9 वर्ष, निखिल उम्र 9 वर्ष, अमन आर्यन 18 वर्ष, शिवम 11 वर्ष बेहोश हो गए। जिन्हें बगल के अस्पताल में चिकित्सकीय सुविधायें दी गई।

बलिया के बाद मिर्जापुर एसपी सख्त, थानों के 30 कारखास लाइन हाजिर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। बलिया में पुलिसकर्मियों द्वारा की जा रही वसूली के मामले में ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद मिर्जापुर के पुलिस अधीक्षक ने भी सख्त

रुख अख्तियार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक ने थानों में तैनात 30 ऐसे हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया है, जिन पर थाने का कारखास होने का आरोप लगता रहा है। लेनदेन के जो भी मामले होते हैं, उन्हें हैंडल करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।बार्डर के थानों और चौकियों पर वसूली के मामले में अमर उजाला के पेज दो पर बार्डर के थानों पर 500 से पांच हजार रुपये की होती है वसूली शीर्षक से खबर छपने के बाद पुलिस अधीक्षक ने शनिवार को विभिनन्‍ थानों में तैनात ऐसे 30 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया है, जिनके खिलाफ कारखास होने का आरोप लगता रहा है। इससे पहले भी पुलिस अधीक्षक ने आईपीएल मैच के दौरान सट्टेबाजों से वसूली के मामले में शहर कोतवाली में पूर्व में तैनात रहे चंदन मिश्रा को इसलिए निलंबित किया था, क्योंकि आईपीएल सट्टा कराने वालों ने चंदन का नाम लिया था। शहर कोतवाली से हटने के बाद भी चंदन मिश्रा पर आईपीएल के दौरान सट्टेबाजों से वसूली करने का आरोप लगता रहा। चंदन का शहर कोतवाली में वही काम था जो शनिवार को लाइन हाजिर किए गए 30 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल का रहा है। जिन लोगों को पुलिस अधीक्षक ने लाइन हाजिर किया है, उनमें अहरौरा, अदलहाट, विंध्याचल, मड़िहान, पड़री, जिगना, चील्ह, लालगंज, जमालपुर, चुनार, कछवां, शहर कोतवाली, देहात कोतवाली, कटरा कोतवाली, विंध्याचल थाने के हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा अहरौरा थाने के पांच और अदलहाट के चार लोग शामिल हैं। माना जा रहा है कि अदलहाट और अहरौरा थाना वसूली में नंबर एक व दो पर रहते हैं। इन दोनों थानों का पूर्व में वसूली लिस्ट भी वायरल हो चुका है।पुलिस अधीक्षक ने जिनको लाइन हाजिर किया है, उनमें शहर कोतवाली के हेड कांस्टेबल नर्वेश कुमार मिश्रा, शुभम कुमार मौर्या, कटरा कोतवाली के कृष्ण कुमार पांडेय, विंध्याचल के चंद्रकेश पांडेय, देहात कोतवाली के अजय प्रताप सिंह, चील्ह थाने के भीम कुमार सिंह, सुशील सिंह, रामानंद यादव, पड़री थाने के बिहारी यादव, ज्वाला सिंह, ध्रुव गिरी, कछवां के सदानंद तिवारी, चुनार के नागेंद्र सिंह, विवेक कुमार राय, मुकेश चौहान शामिल हैं। इनके अलावा अदलहाट के शैलेंद्र सिंह, पंकज, ज्ञानेंद्र सिंह, संतोष खरवार, जमालपुर के भानू प्रताप यादव, चंद्रशेखर सिंह, लालगंज के वीरेंद्र कुमार, रंजित कुमार सरोज, जिगना के फणींद्र कुमार सिंह, अहरौरा के कृष्णा राय, विजेंद्र कुमार राय, विक्रम विशाल सिंह, घनश्याम सिंह, मुकेश यादव, मडिहान के राज सिंह को भी लाइन हाजिर किया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन का कहना है कि संदिग्ध आचरण वाले 30 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल को लाइन हाजिर किया गया है। संदिग्ध आचरण अथवा संदिग्ध कार्यों में लिप्त अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

70 छात्र छात्राओं को वितरित किए गए टैबलेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को जय मां भगवती सोनांचल पीजी कॉलेज में सनतकोत्तर स्तर के छात्र-छात्राओं को टेबलेट वितरित किया गया । वही कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अखिलेश मिश्रा ने बताया कि महाविद्यालय में लगभग 70 छात्र-छात्राओं को टेबलेट वितरित किया और वहीं छात्राओं को पठन-पाठन में कोई अशुद्धि उपलब्ध न हो जिसके लिए सरकार द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि हर बच्चे को डिजिटल

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया इस दौरान मुख्य अतिथि ने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए डिजिटल प्रणाली से जोड़ने वाली पल पर सरकार को धन्यवाद ज्ञापित कर बच्चों को डिजिटल प्रणाली से शिक्षित बनने के लिए जानकारी दी इस दौरान अखिलेश से जोड़ और उनके पढ़ाई में किसी प्रकार से दिक्कत ना हो इसके लिए लैपटॉप टेबलेट वितरित किए जा रहे हैं । इस अवसर पर डॉ शशि पाठक, शशि कुमार दुबे ,आशा सिंह ,पूजा सिंह , अशोक,तेज शुक्ला ,ओम पांडे एवं सभी अध्यापकगण उपस्थित थे।

संविधान बचाने की आड़ में यहां पीडीएफ को गुमराह करके लिया वोटः बी सागर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कु0 मायावती पूर्व मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश पूर्व सांसद

राज्यसभा के द्वारा ट्वीट के बारे में जानकारी देते हुए बसपा जिला अध्यक्ष बी सागर में कहा कि सपा मुखिया ने लोकसभा चुनाव में खासकर संविधान बचाने की आड़ में यहां पीडीएफ को गुमराह करके उनका वोट जरूर ले लिया ।लेकिन यूपी विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता बनने में जो इनकी उपेक्षाकहा की गई यह भी सोचने की बात है।जबकि सपा में एक जाति विशेष को छोड़कर बांकी पीडीएके लिए कोई जगह नहीं है ।ब्राह्मण समाज की तो कट्टे नहीं क्योंकि सपा और भाजपा सरकार में जो इनका उत्पीड़न को शिक्षा हुई है वह किसी से छिपा नहीं है वास्तव में इनका विकास एवं उत्थान केवल बीएससी सरकार में ही हुआ है अतः यह लोग जरूर सावधान रहें इस मौके पर गुड्डू राम सेक्टर इंचार्ज रामविचार गौतम , सेक्टर इंचार्ज, डॉक्टर ओ0 पी0 मौर्य पनन लाल सेक्टर इंचार्ज , कमलेश गोंड जिला प्रभारी , सेक्टर प्रभारी तथा अविनाश शुक्ला जिला उपाध्यक्ष एवं बसपा प्रत्याशी तथा डॉ राम अवतार चौहान जिला महासचिव एवं उमेश कुशवाहा जिला कोषाध्यक्ष ,अमन कुमार मौर्या , पवन कुमार जिला सचिव तथा , अवधेश विश्वकर्मी भगवान दास भारती ,अनीश भारती ,मुननलाल भारती , अली हैदर ,फूल मोहम्मद एवं राजेश भारती बलवंत रंगीला रामचंद्र रतन ,सलीम कुरैशी प्रभारी ,मनोज कुशवाहा प्रभारी बाबूराम प्रजापति प्रभारी संजय गोंड प्रभारी , बलवंत जोखन भारती जी बीबीएफ जिला सह संयोजक बसपा, गोपाल दास कौशल कृष्ण कुमार गिरी उर्फ टाम बाबा आदि कार्यकर्ता पदाधिकारी गण रहे।

बिजली गिरने से उपकेंद्र का 10 एमवीए का ट्रांसफॉर्मर क्षतिग्रस्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। नगर के भैंसा गोदाम विद्युत उपकेंद्र में लगा 10 एमवीए का ट्रांसफॉर्मर शनिवार की सुबह हुई तेज बारिश के दौरान बिजली गिरने से क्षतिग्रस्त हो गया। इसके चलते संबंधित इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। इसके चलते भैंसा गोदाम से निकलने वाले दो फीडरों से जुड़ी लगभग 5000 की आबादी प्रभावित हो है।भैंसा गोदाम उपकेंद्र से दो फीडर निकलते हैं। एक त्रिमोहानी व दूसरा लालडिग्गी फीडर। इन दोनों फीडरों से जुड़े इलाकों में लगभग पांच हजार की आबादी निवास करती है। शनिवार को सुबह से ही ट्रांसफॉर्मर क्षतिग्रस्त होने से लोगों को पानी आदि की समस्या झेलनी पड़ रही है। हालांकि विद्युत विभाग के अभियंता व कर्मचारी मौके पर गड़बड़ी दूर करने में जुटे रहे। अपराह्न तीन बजे तक ट्रांसफॉर्मर ठीक नहीं हो सका। इसके बाद विभाग की तरफ से पांच एमवीए का अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाकर आपूर्ति शुरू की गई। मुख्य अभियंता जेपीएन सिंह ने बताया कि सुबह के समय बिजली गिरने से ट्रांसफॉर्मर क्षतिग्रस्त हुआ है। अभियंताओं की टीम जांच कर रही है। अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगवाकर बिजली आपूर्ति शुरू कर दी गई है।

टूरिस्ट बस ने ऑटो रिक्शा को मारी टक्कर, तीन की मौत; 20 घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। मिर्जापुर में बड़ा सड़क हादसा हो गया है। टूरिस्ट बस ने ऑटो रिक्शा को जोदार टक्कर मार दी। हादसे में तीन यात्रियों की मौत

हो गई जबकि नौ लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक की हालत गंभीर है।उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में बड़ा हादसा हुआ है। टूरिस्ट बस ने ऑटो रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, विंध्याचल थाने के खम्हरिया दमुआन गांव के सामने रविवार की सुबह मिर्जापुर की ओर से प्रयागराज जा रही टूरिस्ट बस ने मालवाहक ऑटो रिक्शा में टक्कर मार दी। घटना में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। 10 घायलों को सरीई स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, यहां से सभी को मिर्जापुर ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। एक बच्चे की हालत गंभीर बनी है। बताया जा रहा है कि ऑटो रिक्शा में सवार सभी लोग कड़े मानिक से विंध्याचल दर्शन करने जा रहे थे। प्रयगराज के सराय मेमराज के रहने वाले कुछ लोग अपने रिश्तेदारों के साथ कौशाम्बी के कड़े मानिक धाम में दर्शन करने के बाद विंध्याचल दर्शन करने आ रहे थे। 15 लोग मालवाहक ऑटो रिक्शा में सवार थे। सुबह पांच बजे के करीब खम्हरिया दमुआन गांव के सामने मिर्जापुर की तरफ से जा रही टूरिस्ट बस ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गए।घटना में चालक कल्लू चौहान पुत्र स्व श्रीनाथ (60), फोटो देवी पतने राधेश्याम (52), रेशमा पतने मुलायम (28) की मौके पर मौत हो गई। हादसे का शिकार सभी लोग थानापुर थाना सराय मेमराज, प्रयागराज के हैं। 10 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सरीई स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, यहां से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है ये हुए घायल घायलों में प्रिंश डेढ़ वर्ष, हिमांशु (5), मुलायम (40), सुनीता (35), नीतेश (4), मारकण्डेय (40), सोना (35), आदित्य (11), गोलू (12), मंतारा (55), पंचम (18), राधेश्याम (55), जय बहादुर (5), प्रेमा (25), बबुल्ले (32), आशा देवी (48), कविता (18), विजय बहादुर (35), सोमारी (30), कुंदन (8), घायल हो गए।सूचना पर पहुंची विंध्याचल, जिगना, गैपुरा पुलिस ने ऑटो मे फंसे लोगों को जेसीबी व कटर ने कटवा कर बाहर निकलवाते हुए एम्बुलेंस से अस्पताल भिजवाया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विजयपुर सरीई में डॉ. समित ने कल्लू (60), फोटो (52), रेशमा (28) को मृत घोषित करते हुए अन्य घायलों को मण्डलीय अस्पताल भिजवाया।

व्यापारी बन्धुओं/बैंक मित्रों के साथ लिए गए सुझाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को पुलिस लाइन चुर्क, स्थित सभागार कक्ष में व्यापारी सुरक्षा के सम्बन्ध में जनपद के प्रमुख व्यापारियों, उद्यमियों व पेट्रोल पम्प मालिकों के साथ गोष्ठी आयोजित की गयी । गोष्ठी में जनपद के प्रमुख व्यापारियों, उद्यमियों व पेट्रोल पम्प मालिकों के साथ उनकी सुरक्षा को लेकर विचार-विमर्श किया गया । इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा व्यापारियों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से अपने-अपने दुकानों/संस्थानों मे सीसीटीवी कैमरे का प्रयोग अनिवार्य रुप से करने हेतु बताया गया । साथ ही साथ उनकी समस्याओं के विषय मे जानकारी की गयी व उनके निराकरण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा उनको सुरक्षा के सम्बंध मे पुलिस द्वारा हरसम्भव मदद का भरोसा दिलाया गया । इस मौके पर जनपद के व्यापारीगण/पेट्रोल पम्प मालिक/सर्राफा व्यापारी/बैंक मित्र मौजूद रहे ।

सावन के दूसरे सोमवार को संपन्न हुई भव्य दिव्य शिव काव्यांजलि

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में सावन के दूसरे सोमवार को रेलवे फाटक राबर्ट्सगंज जोगिया बीर मंदिर जै राम सोनी कवि के आवास पर शिव को समर्पित काव्यांजलि

संपनन्‍हुई। आयोजन की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ गीतकार जगदीश पंथी ने मां शारदे के चित्र पर माल्यार्पण व दीप जलाकर नमन किया और विधिवत् कार्य क्रम का आगाज हुआ। संयोजक संचालक प्रदुमन्‍त्रिपाठी एडवोकेट ने वाणी वंदना करते हुए,मां शारदे भवानी मां शारदे भवानी,नव ज्योति भर दे उर में मैया बचा ले पानी से विधिवत अरदास किया तो वहीं शिव को समर्पित रचना पार तुझको उतरना है भव से अगर,,तो फिर शिव शिव निरंतर जपो मेरे मन,, सुनाकर वातावरण रसमय बनाये। कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने वीर रस का संचार करते हुए,कंगन कभीं कटार कभीं प्यार भी हूं मैं, आकाश नापने को तैयार भी हूं मैं , सुनाया और ओज की अप्रतिम प्रस्तुती,,, दिया तूफान में दिन रात जलाती हूं , चट्टान से टकराकर रास्ता बनाती हूं सुनाकर नारी सशक्तिकरण का ओजस्वी संदेश देकर वाहवाही बटोरी । जयराम सोनी ने हास्य व्यंग सुनाकर लोगों को खूब हंसाया और शिव को समर्पित रचना, कमर में मृगछाला सारी देह उघार हौ शीश चनरमा गरे सरपन के हार हौ सुनाया गतिज ऊर्जा प्रदान की। दयानंद दयालू की सावनी कजली भोला बैठल बाड़न अपने कचहरिया में रापटगंज बजरिया में ना सुनाया।सुधाकर स्वदेशप्रेम का राष्ट्रवाद ,,जनाजा जब मेरा निकले वतन के वास्ते निकले समरसता एकता अखंडता को समर्पित रचना तथा धर्मेश चौहान एड की मानवता के प्रति अनुराग संवेदना मुखर हो का भाव दर्शाती रचना आदमी बनकर रहो आदमीअत साथ हो ,हर किसी के वास्ते बढ़ा तेरा हांथ हो तथा देश के दुश्मनों के लिए महा काल हैं हम प्रभावी रही करतल ध्वनियों से वाहवाही लूटी । हास्य व्यंग के कवि दिवाकर द्विवेदी मेघ ने बीए पढै लागल बा बेटौवा सुनाकर श्रोताओं को लोटपोट कर दिये।अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार जगदीश पंथी ने,,, प्यार तुम्हारा मिला कि सावन बरस गया,, पत्ता पत्ता लहराया मन हरष गया । सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर श्रृंगार की सशक्त रचना से पूर्णता प्रदान किये । ओज राष्ट्र वाद गीत गजल मुक्तक छंद सवैया श्रृंगार नवगीत लोकभाषा भोजपुरी विविध विधाओं की रचना से कवियों ने सबका मन आनंदित कर दिया।आभार संस्था के निदेशक प्रदुमन्‍ त्रिपाठीएड वोकेट ने व्यक्त किया।देर शाम तक आयोजन चलता रहा इस अवसर पर रिषभ शिवमोचन फारुख अली पुरुषोत्तम ठाकुर कुशवाहा गिरिजा यादव सोनू आदि श्रोतागण जमे रहे। वरिष्ठ साहित्यकार जगदीश पंथी व प्रदुमन्‍ त्रिपाठीएडवोकेट निदेशक शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र द्वारा साहित्य संगीत व सामाजिक सरोकारों में उल्लेख नीय योगदान के लिए राजेश पाठक एडवोकेट का सारस्वत अभिनंदन लेखनी पुस्तिका प्रशस्ति पत्र अंगवस्त्र साहित्य कृति देकर किया गया।

31 जुलाई से दर्जनों कर्मचारियों का सेवा हो जाएगा समाप्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर आउटसोर्सिंग

संविदा कर्मचारियों ने जिलाधिकारी नामित पत्र देकर बुलंद की आवाज वही अध्यक्षता कर रहे विकास कुमार ने बताया कि कोविड-19 कर्मचारी (चिकित्सक, डा0 एन0एम0एस0, स्टाफ नर्स, कम्प्युटर ऑपरेटर, एल0टी0, वार्ड आई0सी0यू0 टेकनेशियन, वार्ड ब्वाय, स्वीपर) की नियुक्ति 2020 में अपर मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन के निर्देश पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत की गयी थी। सभी कर्मचारियों ने विकट परिस्थितियों में कोविड संक्रमित मरीजों की देखभाल / उपचार अपने जान की परवाह किये वगैर न्यूनतम मानदेय पर सरकार का सहयोग जनसेवा भाव एवं पूर्ण ईमानदारी एवं निष्ठा से कार्य करते आ रहे हैं। कोविड के पश्चात भी सरकार के विभिनन्‍ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को कोविड स्वास्थ्य कर्मचारी सक्रिय रूप से कार्य करते आ रहे हैं। साथ ही स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अन्य कार्यों का निष्पादन भी हम सभी कर्मीयों के द्वारा किया जाता है। अपने कार्य में पूर्णतया दक्ष हो गये हैं। महोदय यह भी अवगत कराना है, कि मुख्यमंत्री द्वारा कोविड कमिर्यों के कार्य को सराहा / प्रशंसा भी किया गया और हम सभी के भविष्य संरक्षित करने के लिए कहा गया है। किन्तु शासन के आदेश के बाद 31 जुलाई, 2024 के बाद सेवा समाप्ति का आदेश प्राप्त हो चुका है और जिले स्तर से जिलाधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय के स्तर से समायोजन किये जाने हेतु आदेशित है, किन्तु मुख्य चिकित्साधिकारी के यहाँ से भी हम सभी का 31 जुलाई, 2024 के बाद से सेवा समाप्ति का पत्र सम्बन्धित ठेकेदार को भेज दिया गया है। जिसके बाद से हम सभी के सामने बेरोजगारी की विकट समस्या आ गयी है ऐसे में 4 साल सेवा देने के बाद अब हम सभी क्या करें। वही कर्मचारियों ने अधिकारियों से विनम्र निवेदन है, कि हम सभी के कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए सभी कमिर्यों के भविष्य को संरक्षित करते हुए विभागीय समायोजन (एन0एच0एम0) उ0प्र0 में कर हम सभी का समायोजन कराने की कृपा करें। इस मौके पर मो, फरमान, विकास गोस्वामी, संदीप कुमार ,मनदीप कुमार, प्रदीप कुमार, राजेश कुमार विवेकानंद, क्रांति पाल, पूजा गुप्ता, सदाप्यारी ,सुलेखा, वरुण तारा गोपाल,योगेश पांडेय , विकाश यादव मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

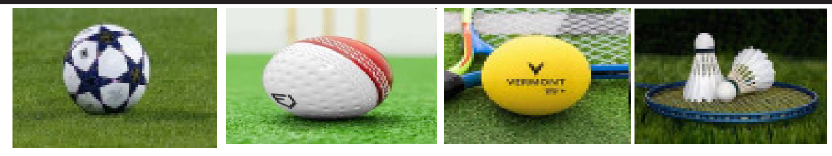

भारतीय एथलीट्स की ओलंपिक ड्रेस पर पूर्व स्टार ने जताई नाराजगी, कहा- डिजाइनर ने नहीं किया कॉमन सेंस का इस्तेमाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पेरिस ओलिंपिक 2024 की शुरुआत हो चुकी है। रविवार को शूटर मनु भाकर ने भारत को पहला मेडल जिताया। मनु भाकर ने शूटिंग 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता और वह शूटिंग में भारत को मेडल जिताने वाली पहली महिला बनीं, लेकिन इस बीच, भारतीय एथलीट्स को एक और समस्या का सामना करना पड़ रहा है और वह है उनकी ओलिंपिक पोशाक की गुणवत्ता।पेरिस ओलंपिक 2024 की ओपनिंग सेरेमनी के दौरान भारतीय एथलीट की ड्रेस को लेकर फैंस काफी नाराजगी जाहिर कर रहे थे। सोशल मीडिया पर भारतीय दलों के कपड़ों को लेकर कई अलग-अलग प्रतिक्रिया सामने आ रही थी।इस कड़ी में पूर्व दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टने सोशल मीडिया पर भारतीय दल के कपड़ों की आलोचना करते हुए अपनी निराशा जाहिर की है। उन्होंने कपड़ों को डिजाइन करने वालों की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी गुणवत्ता बहुत ही खराब है, जो भारतीय खिलाड.ियों के लिए एक शर्म की बात है।दरअसल, भारतीय पूर्व बैडमिंटन स्टार ज्वाला गुट्टा भारतीय दल के कपड़ों को लेकर काफी निराश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि डिजाइन अच्छे कपड़े डिजाइन करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।उनका कहना था कि इस बार ओलंपिक के लिए बनाए गए कपड़े बहुत ही निराशाजनक थे। खासकर, उन्होंने देखा कि सभी लड़कियां साड़ी पहनना नहीं जानतीं, और डिजाइनर ने प्री-ड्रेप्ड साड़ी क्यों नहीं बनाई, जो आजकल ट्रेंड में है।ज्वाला ने एक्स पर गुस्सा जाहिर करते हुए लिखा कि बिना सोचे समझे... इस बार ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय दल के लिए जो कपड़े बनाए गए थे, वह बहुत निराशाजनर रहे। सबसे पहले, सभी लड़कियों को साड़ी पहनना नहीं आता.. डिजाइन ने इस कॉमन सेंस का इस्तेमाल क्यों नहीं किया और प्री ड्रेप्ड साड़ी क्यों नहीं बनाई लड़कियां असहज लग रही थीं और ब्लाउज खराब फिट का था। उन्होंने आगे लिखा कि दूसरा रंग और प्रिंट सुंदर भारतीय के बिल्कुल अलग था। डिजाइन के लिए कढ़ाई या हाथ से पेंट के जरिए हमारी संस्कृति की कला को दर्शाने का मौका था। यह पूरी तरह से औसत दर्जे का काम था और जर्जर लग रहा था। मैं आशा करती हूं कि खेल परिवार हमारे खिलाड.ियों की कोर्ट और ऑफ कोर्ट पर गुणवत्ता से समझौता करना बंद कर देगा।

मनु भाकर की जीत पर गदगद हुए राहुल द्रविड़, तारीफ करते हुए कहा- कई सालों के त्याग का है रिजल्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत के 2024 टी20 वर्ल्ड कप विजेता कोच राहुल द्रविड़ को पेरिस में स्पाट किया गया। उन्हें ओलंपिक गेम्स के बारे में बातचीत करते हुए देखा गया। यही नहीं द्रविड़ ने मनु भाकर के ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के सफर की भी प्रशंसा भी की। बता दें कि हरियाणा में जन्मी 22 साल की मनु भाकर ने 28 जुलाई को 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग में ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में भारत का पदक में खाता खोला। मनु ने निशानेबाजी में ओलंपिक पदक के 12 साल के सूखे को खत्म किया। मनु, अभिनव बिंद्रा, राज्यवर्धन सिंह राठौर, विजय कुमार और गगन नारंग के बाद निशानेबाजी में ओलंपिक पदक जीतने वाली केवल पांचवीं निशानेबाज बनीं। ऐसे में द्रविड़ ने भाकर की प्रशंसा करते हुए कहा कि कैसे उन्होंने टोक्यो ओलंपिक की भयावह यादों को पीछे छोड़ते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। द्रविड़ ने कहा, टोक्यो में जो कुछ हुआ, उसकी निराशा के बाद यहां आना और उससे उबर पाना, यह अविश्वसनीय है। यहां आकर प्रतिस्पर्धा करना और कांस्य पदक जीतना। यह एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इस तरह की उपलब्धियों के लिए कई सालों का त्याग, कड़ी मेहनत, दृढ़ता चाहिए होता है। मुझे लगता है कि हम जानते हैं कि एथलीटों के लिए यह कितना कठिन है, उन्हें कितने बलिदान करने पड़ते हैं। मैं कल्पना कर सकता हूं कि इन खेलों में कितना दबाव होता है। पूर्व भारतीय हेड कोच ने आगे कहा, यह उनके खेल का शिखर है। इनमें से कई एथलीटों के लिए ओलंपिक से बड़ा कुछ नहीं हो सकता। उनके लिए, इस स्तर पर ऐसा करने में सक्षम होना, दबाव में ऐसा प्रदर्शन करने में सक्षम होना, उन्हें बधाई। यह वास्तव में भारतीय खेल के लिए एक महान दिन है। देश भर के इतने सारे युवा लड़के और लड़कियों के लिए यह एक प्रेरणादायक कहानी है। गौरतलब हो कि मनु भाकर ने पिछले साल शूटिंग छोड़ने के बारे में भी सोचा था, लेकिन फिर उन्होंने फिर से इस खेल में अपनी खुशी तलाश ली। यह बात उनकी उपलब्धि को और भी प्रेरणादायक बनाती है। भाकर ने फाइनल में तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने कुल 221.7 अंक हासिल किए।

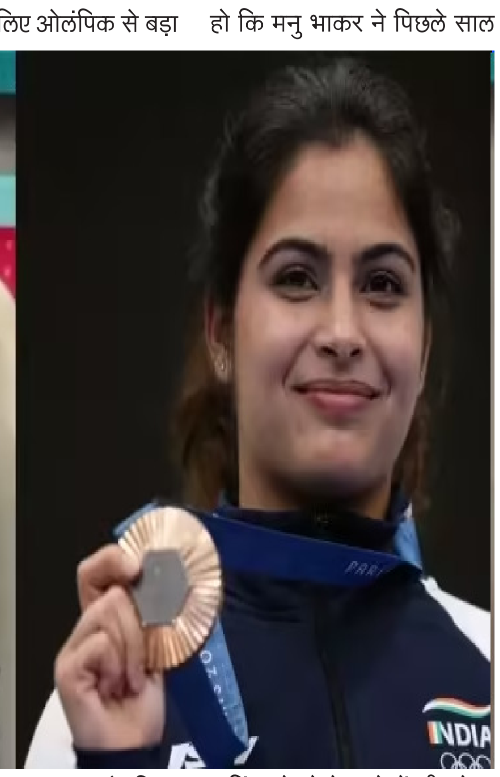

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य [illegible]ने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

बेन स्टोक्स ने तोड़ा महान ऑलराउंडर का 43 साल पुराना रिकॉर्ड,इंग्लैंड और वेस्टइंडीज् के तीसरे टेस्ट में ओपनिंग कर मचाया धमाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स (ाँह एूदवे) ने लीजेंड ऑलराउंडर इयान बोथम का 43 साल पुराना रिकॉर्ड धराशायी किया। बेन स्टोक्स ने 24 गेंद का सामना करते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ अर्धशतक जड़ा था। इंग्लैंड की टीम ने वेस्टइंडीज को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच में 10 विकेट से जीत हासिल की और सीरीज 3-0 से अपने नाम की। तीसरे टेस्ट मैच में बेन स्टोक्स का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 28 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 57 रन जोड़े।दरअसल, इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज के बीच खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में बेन स्टोक्स ओपनिंग करने उतरे। मैच के तीसरे दिन वेस्टइंडीज ने मेजबानों के सामने जीत के लिए मात्र 81 रन का टारगेट रखा था। इस स्कोर का पीछा करने कप्तान स्टोक्स बेन डकेट के साथ उतरे। बेन स्टोक्स को ओपनिंग करते देख हर कोई हैरान रह गया। स्टोक्स ने ओपनिंग करते हुए बल्ले से तबाही मचाई और 24 गेंदों का सामना करते हुए रिकॉर्डतोड़ फिफ्टी लगाई। स्टोक्स ने इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी जड़ी। उन्होंने 28 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्कों की मदद से 57 रन की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइकर रेट 203 का था।फिफ्टी जड़ने के साथ ही बेन स्टोक्स ने कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। वह इंग्लैंड के लिए सबसे तेज फिफ्टी पूरी करने वाले बल्लेबाज बने। वहीं, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में गेंदों के लिहाज में संयुक्त रूप से ये तीसरे सबसे तेज अर्धशतक था। पाकिस्तान के मिस्बाह उल हक के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक 21 गेंद में जड़ने का है। बेन स्टोक्स ने इस दौरान जैक्स कैलिस के रिकॉर्ड की बराबरी की, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में तीसरी सबसे तेज फिफ्टी (24 गेंदों में) जड़ी बेन स्टोक्स से पहले इंग्लैंड के लिए सबसे तेज अर्धशतक महान ऑलराउंडर इयान बॉथम के नाम था, जिन्होंने 1981 में भारत के खिलाफ 28 गेंदों में फिफ्टी बनाई थी। ऐसे में स्टोक्स ने तूफानी पारी खेलकर इयान का 43 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ डाला।

लक्ष्य सेन की जीत को क्यों किया गया 'डिलीट', वजह जानकर आप भी हो जाएंगे निराश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन (थ्र्ध्ैब्एाह) के लिए पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत काफी निशाजनक रही। रविवार को बैडमिंटन मेंस सिंगल इवेंट में पहले राउंड में जीत दर्ज करने के बावजूद लक्ष्य सेन की जीत को 'डिलीट' कर दिया गया। लक्ष्य की जीत को इसलिए अमान्य करार दिया, क्योंकि उन्होंने जिस विरोधी खिलाड़ी के खिलाफ जीत हासिल की थी, वो चोट के कारण ओलंपिक टूर्नामेंट से बाहर हो गया। ऐसे में नियम के मुताबिक, लक्ष्य की वो जीत काउंट नहीं होगी और उन्हेंेइ के ग्रुप स्टेज नियमों के अनुसार, दोबारा मैच खेलना होगा।वहीं, लक्ष्य सेन की रैंकिंग अब उनके बाकी बचे ग्रुप एल मैचों के फैसलों पर निर्भर होगी। अगला मैच उनका 29 जुलाई को जूलियन कैरागी के खिलाफ होगा। दरअसल, बैडमिंटन मेंस सिंगल इवेंट में भारत के लक्ष्य सन ने पहले राउंड के मैच में जीत हासिल की। ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन के खिलाफ लक्ष्य का मैच हुआ, जिसमें उन्होंने लगभग 42 मिनट तक चले मैच में केविन को 21-8, 22-20 से हराया। लक्ष्य ने पहले गेम को 14 मिनट में 21-8 से जीतकर धमाकेदार शुरुआत की, लेकिन बाद में केविन में वापसी की और अंत में लगातार 6 प्वाइंट जीतकर लक्ष्य ने मैच अपने नाम किया। वह मुकाबला जीतने के बावजूद भी हार गए। बताया जा रहा है कि कोहनी में चोट के चलते केविन कॉर्डन बाहर हो गए हैं। उनके टूर्नामेंट से बाहर होने से लक्ष्य को बड़ा झटका लगा। ओलंपिक से इस मैच का रिजल्ट ही 'डिलीट' कर दिया गया। इसका मतलब केविन पर लक्ष्य की जीत को अब माना नहीं जाएगा। वहीं, अगर बात करें पीवी सिंधु की तो उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत शानदार तरीके से की। उन्होंने मालदीव की फातिमा अब्दुल रज्जाक के खिलाफ सीधे गेम में जीत दर्ज की, 21-9, 21-6 के स्कोर से ग्रुप स्टेज की जीत हासिल की।

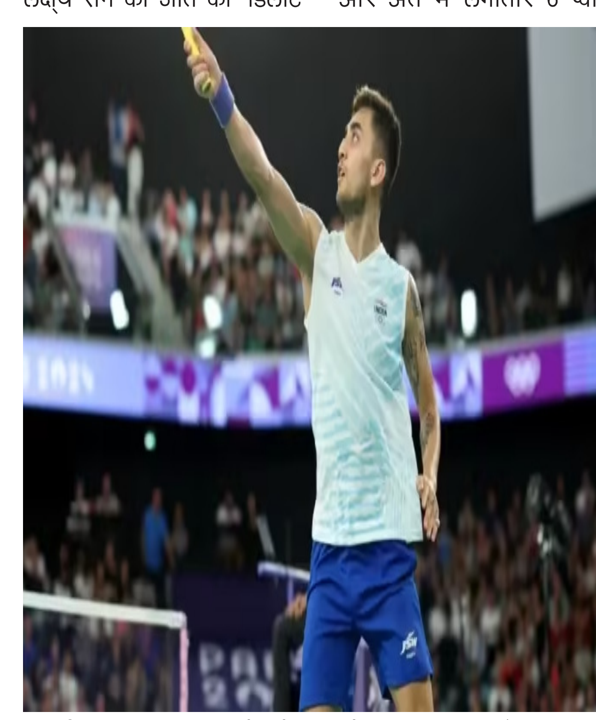

बारिश के बाद बरसे भारतीय बल्लेबाज, श्रीलंका को 7 विकेट से रौंदा सीरीज पर भी कजा जमाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच 3 टी20 मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला रविवार को पल्लेकेले स्टेडियम में खेला गया। भारत ने इस मैच को 7 विकेट से अपने नाम कर सीरीज पर कब्जा जमाया। सीरीज का आखिरी टी20 मैच 30 जुलाई को खेला जाएगा।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 20 ओवर में 161 रन बनाए। बारिश के कारण मैच रोकना पड़ा। इसके बाद भारत को मैथड से 8 ओवर में 78 रन का टारगेट मिला। इसे भारतीय टीम ने 3 विकेट खोकर प्राप्त कर लिया।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत औसत रही। 26 के स्कोर पर टीम को पहला झटका लगा। कुसल मेंडिस ने 11 गेंदों पर 10 रन बनाए। इसके बाद पथुम निसांका और कुसल परेरा ने दूसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़े।रवि बिश्नोई ने इस पार्टन?रशिप को तोड़ा। उन्होंने निसांका को ैं आउट किया। पथुम निसांका ने 24 गेंदों पर 32 रन बनाए। इसके बाद कामिंदु मेंडिस ने 26, कुसल परेरा ने 53 रन बनाए।दासुन शनाका लगातार दूसरे मैच में खाता तक नहीं खोल पाए। वानिंदु हसरंगा भी गोल्डन डक का शिकार हुए। कप्तान चरिथ असलंका ने 12 गेंदों पर 14, महेश तीक्षना ने 2 और रमेश मेंडिस ने 12 रन बनाए।मथीशा पथिराना ने 1 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से रवि बिश्नाई ने 3 विकेट चटकाए। उनके अलावा अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

पहले डायमंड फिर गोल्डन डक का शिकार हुए दासुन शनाका, बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे टी20 में श्रीलंका के पूर्व कप्तान दासुन शनाका गोल्डन डक का शिकार हुए। रवि बिश्नोई ने उन्हें बोल्ड किया। शनिवार को खेले गए सीरीज के पहले टी20 में तो शनाका डायमंड डक का शिकार हुए थे। उन्होंने इस मैच में कोई भी गेंद नहीं खेली थी और नॉट स्ट्राइक एंड से ही रन आउट हो गए थे। इससे पहले नीदरलैंड के खिलाफ टी20 मुकाबले में दासुन शनाका डक पर पवेलियन लौटे थे। इसके साथ ही उन्होंने इस साल टी20 इंटरनेशनल में डक की हैट्रिक लगा दी है। यह पहली बार नहीं है जब शनाका ने मेंस टी20 इंटरनेशनल में लगातार 3 बार डक पर आउट हुए हैं। इससे पहले 2017 में भारत, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 में शनाका डक पर आउट हुए थे। इसके साथ ही दासुन शनाका ने शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। शनाका टी20 इंटरनेशनल में 2 बार डक की हैट्रिक लगाने वाले पहले प्लेयर बन गए हैं। क्रिकेट में जब कोई बल्लेबाज बिना कोई रन बनाए आउट होता तो इसे डक कहते हैं। क्रिकेट में 9 प्रकार के अलग-अलग डक होते हैं। जब कोई बल?लेबाज कोई भी लीगल डिलीवरी खेले बिना आउट होता है तो इसे डायमंड डक कहते हैं। यह तब होता है जब कोई बल्लेबाज रन आउट, टाइम आउट या गेंद का सामना किए बिना मैदान में अवरोध उत्पनन करता है और आउट हो जाता है।

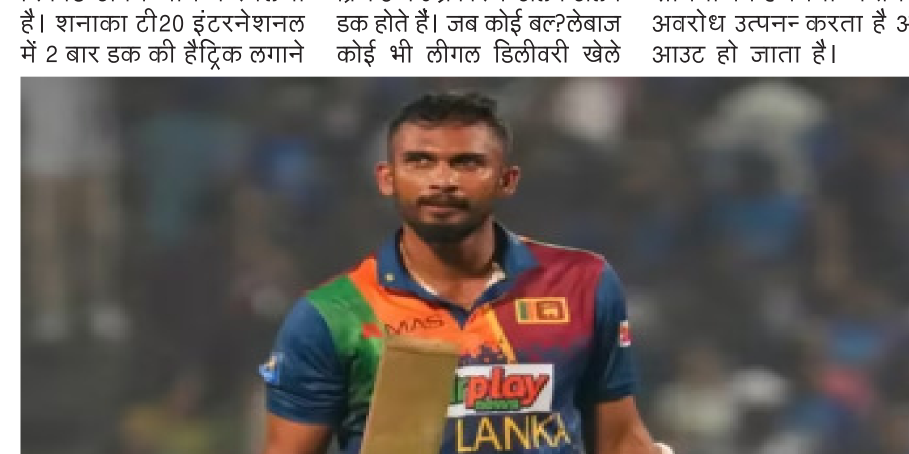

सम्पादकीय

प्लेग और कोरोना की साझी दुनिया

प्लेग से बचाव के लिए क्वारन्टीन की व्यवस्था की जा रही है, मगर क्वारन्टीन के नियम मानने को अधिकांश लोग राजी नहीं हैं। मुनादी के बावजूद लोग झुंड में घूम रहे हैं, मजे में खा-पी रहे हैं। क्वारन्टीन का मतलब है, दुकाने बंद, व्यापार ठप्प। दुकानदार इसके खिलाफ हैं। घर से नहीं निकलना। मुल्ला-मौलवी इसके खिलाफ हैं। चर्च कौन-सा इसके पक्ष में है? संक्रमण के नाम पर डॉक्टर, सैनिक किसी के भी घर में घुस कर जांच कर सकते हैं। उनका घर खाली करा कर उन्हें सेंटर भेज सकते हैं, जहां से लौटने की कोई आशा नहीं है। बची-खुची चीजों को आग के हवाले कर सकते हैं। अतः बीमारी छिपा कर लोग संक्रमण को बढ़ावा दे रहे हैं। हालात काबू से बाहर हो रहे हैं। लोगों को साफ-सफाई में नहीं प्रार्थना और गंडा-ताबीज में विश्वास है। संक्रमण के नाम पर लोगों को अलग करना पश्चिम का चोंचला है। सब सत्ता की साजिश है। लोग ऐसा व्यवहार करते दिख रहे हैं, मानो कुछ अनहोनी नहीं हो रही है। साथ ही जगह-जगह लायसोल का छिड़काव हो रहा है। लोग सामान बांध कर घर छोड़ कर जा रहे हैं। लोगों का हौसला टूट रहा है। लोग पटापट मर रहे हैं, इसके बावजूद कोई स्वीकारना नहीं चाहता है कि महामारी फैली हुई है। लोग डरे हुए हैं, लेकिन क्वारन्टीन के नियम मानने को राजी नहीं हैं। असल में सरकार, या मेयर, धनी-मानी, दुकानदार कोई क्वारन्टीन नहीं चाहता है। मर भले जाएं, आरामदायक जिंदगी अचानक समाप्त हो जाए, कोई इस बात को स्वीकारना नहीं चाहता।क्वारन्टीन से बचने के लिए घूस दी-ली जा रही है। जरूरत की चीजों की जमाखोरी, उसके साथ कालाबाजारी बढ़ गई है। मरने वाले के घर जाने की सख्त मनाही है। उसके कपड़े-लत्ते जला दिए जा रहे हैं। लोग अस्पताल जाने की बनिस्बत काढ़ा जैसे घरेलू इलाज पर निर्भर हैं।क्वारन्टीन से बचने के लिए घूस दी-ली जा रही है। जरूरत की चीजों की जमाखोरी, उसके साथ कालाबाजारी बढ़ गई है। मरने वाले के घर जाने की सख्त मनाही है। उसके कपड़े-लत्ते जला दिए जा रहे हैं। लोग अस्पताल जाने की बनिस्बत काढ़ा जैसे घरेलू इलाज पर निर्भर हैं। उपन्यास 'नाइट्स ऑफ प्लेग' यह सब पढ़ कर दो साल पहले का 'कोरोना 19 काल' का दृश्य आंखों के सामने घूम जाता है। यह कोरोना वायरस काल का नहीं बल्कि आज से करीब सवा सौ साल पहले का मंजर है, जिसे 2006 के नोबेल पुरस्कृत उपन्यासकार ओरहान पामुक ने 84 चैप्टर में लिखे, नवीनतम उपन्यास, 'नाइट्स ऑफ प्लेग' में पिरोया है। एक साक्षात्कार में वे कहते हैं, जब वे आधा उपन्यास लिख चुके थे, तब कोरोना वायरस आया। वे प्लेग को केंद्र में रख कर उपन्यास लिखने की बात तो बरसों से सोच रहे थे। उनके मन में इससे जुड़ी तीन रचनाएं थीं, डैनियल डिफो का 'ए जरनल ऑफ द प्लेग इय्यर', एलेसान्ड्रो मैनजोनी का 'द बेट्रोथेड' तथा एल्बर्ट कामू का 'द प्लेग'। इन तीनों रचनाकारों ने प्लेग काल देखा नहीं था। पामुक इस श्रृंखला में चौथा नाम अपना जोड़ना चाहते थे, मगर ऐसा हो न सका। उनके किताब पूरा करने से पहले दुनिया दहशत की गिरफ्त में आ गई, कोरोना आ गया। उनके अनुसार उन्होंने अपना भय अपने पात्रों में पिरो दिया। साथ में वे बताते हैं, वे अपने उपन्यास के पात्रों से अधिक भयभीत थे। उनका भय समझा जा सकता है। इस्तांबुल में कोरोना से मरने वालों की पहली खेप में पामुक की 94 साल की बूढ़ी ऑन्ट भी थीं, जो महज उनके घर से दो ब्लॉक की दूरी पर रहती थीं। उनके एडीटर उन्हें उपन्यास जल्द समाप्त करने को कह रहे थे ताकि प्रकाशक कोरोना काल के नाम पर इसे भुना सकें। पामुक ने अपना उपन्यास 1901 में स्थापित किया है, इसके लिए इस बार उन्होंने अपना प्रिय स्थान इस्तांबुल नहीं चुना है, वरन कई अन्य साहित्यकारों की भांति अपना एक काल्पनिक टापू मिंघेरिया बसाया है, जो वास्तविक से अधिक वास्तविक लगता है, जहां खबरियों और जासूसों की कमी नहीं है। काल सुल्तान अब्दुल हामिद द्वितीय के ढ़हते साम्राज्य का है। सरकार जितना जकड़ने का प्रयास करती है बिखराव उतना बढ़ता जाता है। पामुक की अन्य कई किताबों की भांति यहां भी हत्याएं होती हैं, हत्याओं की गुत्थी सुलझाने केलिए इस किताब में शरलक होम्स की पद्धति अपनाने की बात कही जाती है। क्यों ऐसा कहा जा रहा है, स्वयं पढ़ कर जाने। मिंघेरिया की पच्चीस हजार की आबादी में आधे ईसाई थे, मुस्लिमों के अट्ठाइस सेक्ट थे। इनमें विचारों को लेकर सदैव टकराव रहता। एक-दूसरे पर विश्वास न था। मुस्लिम और यूनानी संग रहते हैं मगर वे एक-दूसरे को जानते-समझते नहीं हैं। प्लेग से बचाव के लिए क्वारन्टीन की व्यवस्था की जा रही है, मगर क्वारन्टीन के नियम मानने को अधिकांश लोग राजी नहीं हैं। मुनादी के बावजूद लोग झुंड में घूम रहे हैं, मजे में खा-पी रहे हैं। चर्च और मस्जिद जाने वाले लोगों को समझाना कठिन है। प्लेग के चूहे फेंकने की, प्लेग फैलाने की अफवाहें फैल रही हैं। कारागार का बुरा हाल है, जो एक बार वहां भेज दिया जाता है, दोबारा नजर नहीं आता है। '

माफी नहीं मिलती, अर्जित करनी पड़ती है; अंतिम लक्ष्य 'अपने जीवन में शांति से रहना' है

माफी नहीं मिलती, अर्जित करनी पड़ती है। किसी ने आपको आहत किया, तो उसे माफ करने का कोई आधार भी 'तो होना चाहिए। माफ करना एक प्रक्रिया है, न कि लक्ष्य। एक रोज ग्रेगरी खेल रही थी कि उसके घुटने में तेज दर्द हुआ। जब उसने अपने माता-पिता को बताया, तो वे चिंतित होने के बजाय उसे डांटने लगे। दरअसल उसके माता-पिता दोनों नौकरी करते थे और दोनों ही बेहद महत्वाकांक्षी थे। ग्रेगरी को इसकी आदत थी। लेकिन घुटने का उसका दर्द बना रहा। उसने दर्द के साथ जीना सीख लिया। दशकों बाद ग्रेगरी को पता चला कि उसके घुटने के जोड़ में हड्डी का एक टुकड़ा फंसा है, जिसके लिए सर्जरी कराने की जरूरत थी। उसने सर्जरी कराई और अब वह स्वस्थ है। लेकिन वह सोचती है कि माता-पिता की उपेक्षा ने उसे किस हद तक प्रभावित किया। अब ग्रेगरी खुद डॉक्टर है, समझदार है। उसने सोचना शुरू किया कि क्या उसे अपने माता-पिता को माफ कर देना चाहिए। नैतिक मूल्य तो यही कहते हैं कि माफ कर देना ही बेहतर होता है। उसने सोचा कि दरअसल, माफ करना होता क्या है। रॉबर्ट एनराइट जैसे विद्वानों का कहना है कि माफ करना उन लोगों के प्रति अच्छाई दिखाना है, जिन्होंने आपके साथ अच्छा नहीं किया है। लेकिन ग्रेगरी सवाल उठाती हैं कि क्या यह नैतिक धारणा हर स्थिति के लिए सही होती है।गलती, करने वाले को माफ करने से करुणा, उदारता और प्रेम जैसे गुण मजबूत होते हैं। लेकिन जिसने आघात सहा है, उसका क्या? स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी फॉरगिवनेस प्रोजेक्ट के निदेशक और शोधकर्ता फ्रेडरिक लुस्किन का मानना है कि अंतिम लक्ष्य 'अपने जीवन में शांति से रहना' है। शांति के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता डेसमंड टूटू ने एक बार कहा था, माफी के बिना, सद्भाव के बिना हमारा कोई भविष्य नहीं है? तो क्या माफ करने का एक मात्र उद्देश्य यही है कि कड़वाहट से बचा जा सके? अपनी पुस्तक यू डॉन्ट नीड टू फॉरगिवः ट्रॉमा रिकवरी ओन योर ऑन टर्म्स में ग्रेगरी इसी विषय पर चर्चा करेंगी, जो अगले वर्ष प्रकाशित होगी। उनके अनुसार, क्षमा करना एक भावनात्मक प्रक्रिया है, न कि अंतिम लक्ष्य। ग्रेगरी कहती हैं कि यदि आप बेहतर महसूस करें, तो दिल दुखाने वाले को माफ कर दें या अच्छा नहीं लगे, तो माफ नहीं करें। डॉ. लस्किन कहते हैं कि माफी हासिल करनी पड़ती है, यह तत्काल नहीं मिलती। लोगों को शोक से उबरने में समय लगता है। ग्रेगरी ने अपने पिता को माफ नहीं किया है।

राजनीतिक अनदेखी' से बाहर निकलेंगी वसुंधरा राजे

पार्टी नेतृत्व की ओर से केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जयपुर आए थे। शाम के समय मुख्यमंत्री के नाम का एलान होना था। झालावाड़ से विधायक वसुंधरा राजे भी बैठक आत्मविश्वास भी साफ झलक रहा था। भाजपा हाईकमान को राजस्थान में निणर्य लेने में अधिक समय भी लगा। सबसे अंत में राजस्थान में मुख्यमंत्री के नाम का सीमित कर लिया। उनको पार्टी में खास तवज्जो नहीं मिल रही थी। यह बात साफ-साफ दिख भी रही थी। यही कारण था कि उन्होंने पार्टी के अधिकांश कार्यक्रमों से दूरी

में मौजूद थीं। मंच पर राजनाथ सिंह के साथ बैठी थीं। मुख्यमंत्री के नाम की पर्ची वसुंधरा राजे ने ही खोली थी, जिसमें सांगानेर से पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा का नाम था। रविवार का दिन था। मानसून की हल्की फुहारों के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास से बमुश्किल 500-600 मीटर दूर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के आवास पहुंचे। दोनों के बीच पूरा एक घंटा गहन मंत्रणा हुई। क्या बातचीत हुई? यह तो किसी को पता नहीं। इस मुलाकात को लेकर न वसुंधरा राजे और न ही भजनलाल शर्मा की ओर से सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट आई। न मुलाकात का फोटो या वीडियो जारी हुआ। क्या मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कदम को भाजपा की ओर से वसुंधरा राजे को मनाने का संकेत माना जाना चाहिए। ऐसा हो सकता है। यह जरूर कहा जा सकता है कि वसुंधरा राजे की राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर सक्रियता बढ़ने वाली है।पिछले साल दिसंबर में जब राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजे आए तो भारतीय जनता पार्टी बहुमत के साथ सत्ता में लौटी। उस समय मुख्यमंत्री को लेकर कई नाम हवा में तैर रहे थे। इनमें एक नाम वसुंधरा राजे का भी था। सबसे अधिक हलचल उनके सिविल लाइंस स्थित बंगले पर थी। 80 से ज्यादा चुनकर आए विधायक वसुंधरा राजे से मिलने पहुंचे थे। वसुंधरा राजे का ऐलान हुआ। वो 12 दिसंबर 2023 की तारीख थी।उस दिन जयपुर में सर्द हवाओं के बीच भाजपा प्रदेश कार्यालय में सियासी पारा चढ़ा हुआ था। पार्टी नेतृत्व की ओर से केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जयपुर आए थे। शाम के समय मुख्यमंत्री के नाम का एलान होना था। झालावाड़ से विधायक वसुंधरा राजे भी बैठक में मौजूद थीं। मंच पर राजनाथ सिंह के साथ बैठी थीं। मुख्यमंत्री के नाम की पर्ची वसुंधरा राजे ने ही खोली थी, जिसमें सांगानेर से पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा का नाम था। उस समय वसुंधरा राजे की बॉडी लैंग्वेज को लेकर बहुत कुछ कहा गया। वसुंधरा राजे वर्ष 2003 से 2008 और वर्ष 2013 से 2018 तक राजस्थान की मुख्यमंत्री रही हैं। वर्ष 2014 में उनके मुख्यमंत्री रहते पार्टी ने राजस्थान की 25 की 25 सीटें जीती थीं। वर्ष 2018 में वसुंधरा राजे के नेतृत्व में पार्टी जरूर राजस्थान में विधानसभा चुनाव हार गई थी, लेकिन उसका प्रदर्शन बहुत खराब नहीं रहा था। हालांकि, वर्ष 2019 में एक बार फिर पार्टी ने राज्य की सभी 25 सीटें जीत ली थीं। निश्चित रूप से दोनों बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्माई चेहरा था। हालांकि, कुछ श्रेय वसुंधरा राजे को भी मिला। फिर धीरे से वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाकर राजस्थान की राजनीति से दूर करने की कवायद शुरू हुई। वसुंधरा राजे ने भी पार्टी में सक्रियता को लेकर अपना दायरा बनाए रखी। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव परिणामों ने एक बार फिर वसुंधरा राजे को ऑक्सीजन दी है, क्योंकि पार्टी की राजस्थान की 25 में से 11 सीटों पर हार हुई। ऐसा माना गया कि यदि वसुंधरा राजे केवल अपने बेटे दुष्यंत सिंह की सीट झालावाड़-बारां तक स्वयं को सीमित नहीं रखतीं और प्रदेश भर में पार्टी के लिए प्रचार करतीं तो परिणाम अच्छे हो सकते थे। इन परिणामों को लेकर पार्टी में आत्ममंथन, आत्मचिंतन और आत्मावलोकन के दौर चल रहे हैं। हालांकि, अब तक कोई ठोस कारण निकल कर नहीं आया है। यह भी संभव है कि पार्टी किसी ठोस कारण पर स्वयं पहुंचना भी नहीं चाह रही है। फिर अपने तीसरे कार्यकाल में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताकत पहले जैसी नहीं है। अब जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वसुंधरा राजे के आवास पहुंचे हैं तो कोई न कोई संदेश या संकेत के साथ वहां गए होंगे। कारण जो भी हो, लेकिन वसुंधरा राजे की स्थिति राजस्थान में एक बार फिर मजबूत होती दिख रही है। बहुत संभव है कि भजनलाल सरकार के आने वाले दिनों में निणर्यों में वसुंधरा राजे की सहमति या सलाह हो। वसुंधरा राजे ने दो बार राजस्थान की कमान संभाली है। उनके अनुभव की इस समय राजस्थान को सख्त आवश्यकता है। विशेषकर अनुभवहीन भजनलाल शर्मा को। स्पष्ट दिख रहा है कि वसुंधरा राजे की और अधिक अनदेखी शायद अब मुश्किल है।

जब सांसद अपनी मर्यादा भूलने लगें तो क्यों न संसदीय बहसों को संपादित करके प्रसारित किया जाए

लोकसभा टीवी अपने उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए लिखता है कि वह जीवंत लोकतंत्र के विभिनन्‍ पहलुओं को निष्पक्ष प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन क्या तथ्यों से रहित वक्तव्यों के प्रसारण को निष्पक्षता के दायरे में रखा जा सकता है? ऐसे में क्यों न संसदीय बहसों को संपादित करके प्रसारित किया जाए?हाल की कुछ घटनाओं के चलते संसदीय कार्यवाही के लाइव टीवी प्रसारण पर सवाल उठने लगे हैं। संसदीय लोकतंत्र की गरिमा को बचाए-बनाए रखने वाले तबके में इसकी मांग उठने लगी है। इस वर्ग का मानना है कि अगर ऐसा नहीं किया गया, तो संसद की गरिमा घटेगी। अपने आचरण के चलते सांसदों का एक वर्ग लोगों की नजर में अपनी प्रतिष्ठा तो खो ही चुका है। लाइव प्रसारण के जरिये उनके मुखारविंद से जो शब्द संसद में झड़ रहे हैं, उससे स्थितियां उलझी हैं। इसे बिडबंना कहें या उलटबांसी कि जिस ब्रिटेन के हम करीब दो सौ साल तक गुलाम रहे, हमारा संसदीय लोकतंत्र भी उसी ब्रिटिश शासन प्रणाली की तरह है। वैसे शासन प्रणाली जो भी हो, अगर उसे अपना लिया, तो उसकी उच्च परंपराएं, उसकी गरिमा और मर्यादा को भी स्वीकार करना होगा। पूर्व उपप्रधानमंत्री देवीलाल कहा करते थे कि लोकतंत्र लोकलाज से चलता है। यानी महान परंपराओं और गरिमा को स्वीकार किए बिना कोई भी शासन सफल नहीं हो सकता। अगर लोक का भरोसा शासन प्रणाली से खत्म हो गया, तो उस प्रणाली पर सवालिया निशानों की झड़ी लग जाती है। ब्रिटिश संसद में एक परंपरा है कि संसदीय कार्यवाही से हटाए गए शब्दों को न तो कभी उद्धृत किया जा सकता है और न ही उसे रिपोर्ट किया जा सकता है। जाहिर है कि हटाए गए शब्द अमर्यादित, तथ्यहीन और गरिमा के विरुद्ध होते हैं। जब तक टेलीविजन नहीं था, पत्रकारों को संसदीय इम्बागी और कार्यवाही की रिपोर्टिंग के मायने गहराई से समझाए जाते थे। संसद या किसी संसदीय समिति के बयान की जानकारी होने के बावजूद उसे तब तक सार्वजनिक नहीं किया जा सकता था, जब तक कि संसद या संसदीय समिति द्वारा तय की गई समय सीमा खत्म न होती थी। मियाद पूरी होने के बाद ही वह

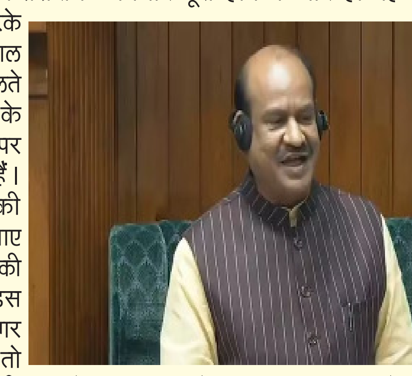

अखबार में छपता था। अखबारों के रिपोर्टर संसद की रिपोर्टिंग करते हुए सांसदों की उन बातों को भी सुनते ही थे, जिन्हें कार्यवाही से हटा दिया जाता था। लेकिन उनका उल्लेख वे अपनी रिपोर्टों में नहीं करते थे। इसका उद्देश्य था कि लोगों तक वही बातें पहुंचे, जो मर्यादित एवं तथ्यात्मक रूप से ठीक हों। लाइव प्रसारण के चलते अब जनता तक वे सारी बातें भी पहुंच रही हैं, जो तथ्यहीन हैं, और जिन्हें संसदीय कार्यवाही से निकाल दिया जा रहा है। उदाहरण के लिए, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण को रखा जा सकता है। उन्होंने अग्निवीर, फसलों पर एमएसपी आदि पर तथ्यहीन बातें कीं। चूंकि लाइव प्रसारण के कारण उन्हें संसद के लाइव प्रसारण देखने वाले सभी लोगों ने देखा और सुना। इसके बाद भले ही उनकी बातों को कार्यवाही से हटा दिया गया हो, लेकिन जनता के बीच संदेश तो पहुंच ही गया। इसी तरह राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को पदेन सभापति जगदीप धनखड़ ने कई बार टोका, लेकिन नहीं मानने पर उनके भाषण के हिस्सों को एक्सपंज किया जाता रहा। यह कोई पहला मौका नहीं था, जब लाइव प्रसारण के दौरान सांसदों के ऐसे कई बयान देखे-सुने गए। अब ऐसे वाकये अक्सर होने लगे हैं। दिलचस्प है कि जब सांसदों को रोका जाता है, तो वे इसे अपने प्रति दुर्भावना बताते हैं। आरोप लगाते हैं कि उनका माइक बंद कर दिया गया। राहुल गांधी ने भी अपने भाषण से हटाए गए शब्दों को रखने की मांग की है। मौजूदा दौर में हर सांसद चाहता है कि वह संसद में जो भी बोले, उसका प्रसारण हो, ताकि उसके वोटरों के बीच यह संदेश जाए कि उसका सांसद दमदार है और जनता के मुद्दों को संसद में उठाता है। संसद की कार्यवाही का पहला प्रसारण 20 दिसंबर, 1989 को दूरदर्शन पर शुरू हुआ, तो शुरू में चुनिंदा संसदीय कार्यवाही को ही टीवी पर दिखाया गया। लेकिन 18 अप्रैल 1994 से लोकसभा की पूरी कार्यवाही को फिल्माया जाने लगा। उसी साल अगस्त में, कार्यवाही का सीधा प्रसारण शुरू किया गया। तीन नवंबर, 2003 को डीडी न्यूज लॉन्च होने पर दोनों सदनों के प्रशन्काल का प्रसारण डीडी चैनलों पर एक साथ होने लगा। संसदीय कार्यवाही के लाइव प्रसारण के इतिहास में दो घटनाएं बहुत याद की जाती हैं। जब अक्तूबर, 1990 में भाजपा द्वारा समर्थन वापसी के बाद वीपी सिंह सरकार अल्पमत में आ गई, तो उन्होंने संसद में विश्वास मत प्रस्तुत किया था। उस पर दो दिनों तक चली बहस का दूरदर्शन ने लाइव प्रसारण किया था। 'अंतरात्मा की आवाज' पर वीपी सिंह का सांसदों से समर्थन मांगना बेहद चर्चित रहा। दूसरी घटना तेरह दिन की वाजपेयी सरकार के विश्वास मत पर हुई चर्चा से संबंधित है। विश्वास मत पर चर्चा का जवाब देते हुए वाजपेयी ने जो भाषण दिया, उसे उनके कालजयी भाषणों में से एक माना जाता है। इससे उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ी। इसके बाद से ही संसदीय बहसों में शामिल होते ही सांसद लाइव प्रसारण में दिखने की इच्छा पालने लगे। साल 2004 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की पहली सरकार आई।

नए कानून बनाना सही दिशा में एक कदम लेकिन अनसुलझे मुद्दों पर भी बात हो

औपनिवेशिक विरासत को खत्म करने और कानूनों को वर्तमान समय के अनुरूप बनाने का यह सही दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है, जिसकी प्रशंसा होनी चाहिए, लेकिन कुछ मुद्दे ऐसे हैं, जो अब भी अनसुलझे हैं। औपनिवेशिक दौर के प्रमुख आपराधिक कानूनों-भारतीय दंड बीएनएस में नए अपराधों को शामिल किया गया है, जैसे-विवाह का वादा करके धोखा देने पर 10 साल तक की जेल, नस्ल, जाति-समुदाय, लिंग के आधार पर मॉब लिंचिंग मामले में आजीवन जेल तथा छीन-झपट के लिए तीन साल की जेल। यूएपीए जैसे आतंकवाद-रोधी कानूनों को भी इसमें शामिल किया गया है। होने के बाद किए गए अपराधों को बीएनएस के तहत निपटाया जाएगा। हालांकि बीएनएसएस एवं बीएसए जैसे प्रक्रियागत कानूनों को पहले दर्ज किए गए मामलों पर लागू किया जा सकता है। ऐसे में न्यायालय में उन सभी मामलों में विवाद होने की आशंका है, जो नए कानून के लागू होने से पहले दर्ज किए गए थे, करना जरूरी पाया गया। नए लागू किए गए कानूनों में राज्यों द्वारा किए गए संशोधनों को शामिल नहीं किया गया है। कई गैर-भाजपा शासित राज्यों ने जब इन नए कानूनों का विरोध किया, तो केंद्र सरकार के अधिकारियों ने कहा है कि राज्य सरकारें सुरक्षा संहिता में अपनी ओर से संशोधन करने अदालत की सुनवाई होगी, तो बचाव पक्ष के वकील, जो अदालत में गवाहों से पूछताछ करेंगे, वे उस आरोपी के सीधे संपर्क में नहीं रह पाएंगे, जिसका वे प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। बीएनएसएस कानून के तहत कई प्रगतिशील प्रक्रियाओं के लिए डिजिटल तकनीक अनिवार्य है, जैसे तलाशी की वीडियोग्राफी और ई-

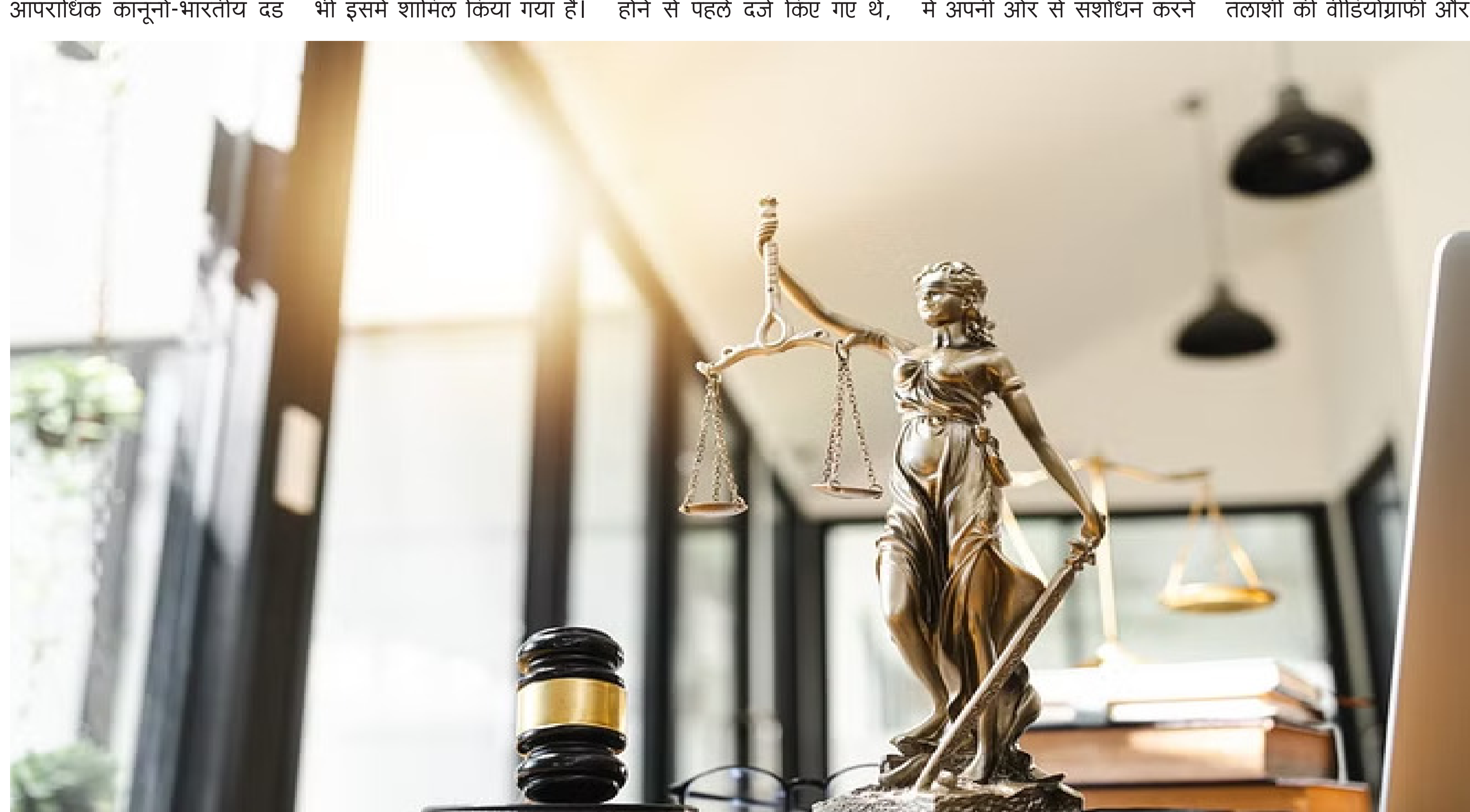

संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम-की जगह लागू तीन नए कानून यानी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के तहत देश के विभिनन्‍ हिस्सों में मामले दर्ज होना शुरू भी हो गए हैं। नए कानूनों में एफआईआर, जांच एवं सुनवाई के लिए अनिवार्य समय-सीमा तय कर दी गई है। अब लोग बिना थाना गए ही ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करा सकते हैं। देश के किसी भी थाने में जीरो एफआईआर दर्ज हो सकेगी। नए औपनिवेशिक विरासत को खत्म करना और कानूनों को वर्तमान समय के अनुरूप बनाने का यह ऐतिहासिक कदम प्रशंसनीय है, पर कुछ मुद्दे ऐसे हैं, जो अब भी अनसुलझे हैं। औपनिवेशिक काल के कानूनों में 1162 धाराएं थीं, जबकि नए कानूनों में 1059 धाराएं हैं। जाहिर है, अब कानून प्रवर्तन एजेंसियों को 2,221 धाराओं से जूझना होगा। बीएनएस जैसे मूल कानून को पहले दर्ज किए गए मामलों पर लागू नहीं किया जा सकता, इसलिए नए कानून के लागू होने से पहले के अपराधों को आईपीसी (भादंसं) के तहत निपटाया जाएगा, जबकि नए आपराधिक कानून लागू लेकिन उनमें नए प्रक्रियात्मक कानून को लागू किया जाएगा। तीनों प्रमुख कानूनों में अलग-अलग राज्यों द्वारा अलग-अलग समय पर संशोधन किए गए हैं। मसलन, सीआरपीसी की धारा 357 (मुआवजा देने के आदेश से संबंधित) में आंध्र प्रदेश, बिहार, गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की सरकारों द्वारा संशोधन किए गए। पिछले कुछ वर्षों में विभिनन्‍ राज्यों द्वारा ऐसे कई संशोधन किए गए। ये संशोधन राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित और लागू किए गए, क्योंकि राज्य की विशेष जरूरतों के लिए ऐसा को स्वतंत्र हैं। नए कानून में गैर-कानूनी कृत्य और आतंकवादी कृत्य की परिभाषा एवं दंड को बीएनएस के दायरे में लाया गया है। तीन वर्ष से सात वर्ष के बीच कारावास की सजा वाले मामलों में प्रारंभिक जांच का प्रावधान समस्याओं का पिटारा खोल देगा, जहां पुलिस जांच करने से इन्कार कर सकती है, जिससे जनता में असंतोष पैदा होगा। बीएनएसएस की धारा 173(3) में कई अस्पष्टताएं हैं। इस बात की आशंका है कि इससे व्यापक भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, कानूनी बिरादरी की तरफ से भी सवाल उठाए जा रहे हैं कि जब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट कार्यवाही। जबकि अभी थानों, जांच अधिकारियों, अदालतों और जेलों में अब भी आवश्यक बुनियादी ढांचे, उपकरण और प्रशिक्षण उपलब्ध नहीं हैं। इसके लिए बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण, प्रणालियों और प्रोटोकॉल का विकास, विशेष तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती और प्रशिक्षण जरूरी हैं। ऐसे में ई-कोर्ट कार्यवाही और इलेक्ट्रॉनिक समन जैसे बीएनएसएस के प्रावधानों को लागू करना एक बड़ी चुनौती होगी। इसके अलावा, कई राज्यों में पुलिसकर्मियों को नए कानूनों के बारे में पूरी तरह से प्रशिक्षित नहीं किया गया है। इससे उन्हें नए कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने में बाधा आएगी और प्रक्रियागत देरी तथा कानूनी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। ऐसी खबरें भी आई हैं कि नए मामले दर्ज करने में पुलिसकर्मियों के पसीने छूट रहे हैं। अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम तथा आईसीजेएस के साथ इसके इंटरफेस को भी नए कानूनों के अनुरूप अपडेट नहीं किया गया है, जिससे परिचालन एवं तकनीकी संबंधी गंभीर चुनौतियां पैदा हो रही हैं। जांच के लिए फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने को अनिवार्य करना स्वागतयोग्य है और विभिनन्‍ जांच प्रक्रियाओं में ऑडियो-वीडियो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तथा इलेक्ट्रॉनिक संचार को मंजूरी देना एक सकारात्मक कदम है। लेकिन प्रशिक्षण के अभाव में इन प्रक्रियाओं को अगर गलत तरीके से निष्पादित किया गया, तो अपराधी दोषमुक्त हो सकते हैं। नए कानून बनाना सही दिशा में एक कदम है, मगर अफसोस केवल इसका है कि इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए जिस गहन चिंतन व व्यापक विमर्श की आवश्यकता थी, जो नहीं किया गया। इंडियन पुलिस फाउंडेशन जैसी संस्था को भी पालिर्यामेंट्री कमिटी के सामने पेश होने का समय नहीं मिला। विरोधी दलों को यह शिकायत है कि जब उनके अधिकांश सदस्य सदन से निलंबित थे, उस समय इन्हें संसद में पारित किया गया। यह भी एक विरोधाभास है कि हमने क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के तीन बड़े कानून तो बदल दिए, परंतु पुलिस ऐक्ट, 1861 अब भी देश की जनता के गले की फांस बना हुआ है। नेशनल पुलिस कमीशन ने इसे बदलने की सिफारिश की थी, परंतु अभी तक यह कानून जैसे का तैसा बना हुआ है। नए कानून को लागू करने के लिए जो इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए, वह अभी उपलब्ध नहीं है। पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग देने के बारे में बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, यह कहां तक सही है, यह तो समय ही बताएगा। संक्षेप में, सही दिशा में एक ठोस कदम उठाया गया है, परंतु जल्दबाजी में।

सद्दाम हुसैन जैसा हाल कर देंगे', तुर्किये की धमकी के बाद भड़का इजरायल मंत्री ने किया पलटवार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फलस्तीन में इजरायली हमलों को लेकर आज तुकिन्ये के राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन का बयान चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल, एर्दोगन ने फलस्तीन में हमले न रोकने पर इजरायल को धमकी दी है, जिसके बाद अब इजरायली मंत्री का जवाब आया है। इजरायल के कट्टर विरोधी माने जाने वाले एर्दोगन फलस्तीन पर लगातार हो रहे हमलों का कड़ा विरोध करते आए हैं। इस बीच आज उन्होंने कहा कि फलस्तीन पर हो रहे हमले अब हम और नहीं देख सकते हैं, जरूरत पड़ने पर हम इजरायल में भी घुस सकते हैं। तुकिन्ये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने फलस्तीन में हमले न रोकने पर इजरायल को धमकी दी है जिसके बाद अब इजरायली मंत्री का जवाब आया है। इजरायल के कट्टर विरोधी माने जाने वाले एर्दोगन फलस्तीन पर लगातार हो रहे हमलों का कड़ा विरोध करते आए हैं। आज

उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर हम इजरायल में भी घुस सकते हैं।तुकिन्ये के राष्ट्रपति के बयान के बाद इजरायल भी भड़क उठा है। इजरायल के विदेश मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि एर्दोगन सद्दाम हुसैन की राह पर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इराक में क्या हुआ था और सद्दाम हुसैन का क्या हुआ था, उसे याद रखिए। वहीं, इजरायल के विपक्षी पार्टी के नेता यायर लैपिड ने भी एर्दोगन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एर्दोगन इस्लामी देशों के लीडर बनना चाहते हैं और इसलिए बड़बोले बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम डरने वाले नहीं हैं।एर्दोगन ने आज देश के रक्षा उद्योग की प्रशंसा करते हुए फलस्तीन युद्ध की चर्चा शुरू की थी। उस दौरान उन्होंने कहा कि हमें और मजबूत होना चाहिए ताकि इजरायल फलस्तीन के लोगों को निशाना बनाना बंद करे। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हम इजरायल में घुस सकते हैं, जैसे हम लीबिया में घुसे थे। सद्दाम हुसैन को अमेरिका की सरकार ने साल 2003 में सत्ता से उखाड़ फैंका था और ईराकी कोर्ट ने उसे फांसी पर लटका दिया था।

भारत और सऊदी अरब में हाई लेवल मीटिंग, रिफाइनिंग में निवेश सहित कई मुद्दों पर डील पक्की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और सऊदी अरब ने पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर में निवेश को लेकर हाई लेवल टास्क फोर्स' की पहली बैठक वर्चुअली आयोजित की। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार, रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल संयंत्र, नई और नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली, दूरसंचार, नवाचार सहित सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में विभिनन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय निवेश के विभिनन्न अवसरों पर रविवार को रचनात्मक चर्चा हुई। भारत और सऊदी अरब ने निवेश के विभिनन्अवसरों पर उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की पहली बैठक की। निवेश पर टास्क फोर्स की पहली बैठक में पारस्परिक रूप से लाभकारी तरीके से दोतरफा निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपायों की समीक्षा की गई। बैठक की सह-अध्यक्षता प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी के मिश्रा और सऊदी ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान बिन अब्दुल अजीज अल सऊद ने की। बयान के अनुसार बैठक की सह-अध्यक्षता प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी के मिश्रा और सऊदी ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद ने की। दोनों पक्षों ने टास्क फोर्स की तकनीकी

टीमों के बीच हुई चर्चाओं की समीक्षा की और पारस्परिक रूप से लाभप्रद तरीके से दो-तरफा निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपायों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान, प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधान मंत्री की यात्रा के दौरान किए गए 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सऊदी निवेश को सक्रिय समर्थन प्रदान करने के भारत सरकार के दृढ़ इरादे को दोहराया। दोनों पक्ष चर्चाओं को आगे बढ़ाने और विशिष्ट निवेशों पर एक समझौते पर पहुंचने के लिए दोनों पक्षों की तकनीकी टीमों के बीच नियमित परामर्श पर सहमत हुए। सऊदी के निवेश के लिए फिर दिया समर्थन पेट्रोलियम सचिव के नेतृत्व में एक सशक्त प्रतिनिधिमंडल तेल और गैस क्षेत्र में पारस्परिक रूप से लाभप्रद निवेश पर चर्चा के लिए सऊदी अरब का दौरा करेगा। बयान में कहा गया है कि सऊदी पक्ष को भारत में सॉवरेन वेल्थ फंड पीआईएफ का एक कार्यालय स्थापित करने के लिए भी आमंत्रित किया गया था। इसमें दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, जिनमें नीति आयोग के सीईओ, आर्थिक मामलों के सचिव, वाणिज्य, विदेश मंत्रालय, डीपीआईआईटी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और भारत के बिजली सचिव शामिल हैं।

ताइवान के सैन्य अभ्यास से पहले चीन की बड़ी घुसपैठ, 16 विमानों, 14 नेवी और 1 जहाज के साथ सीमा को घेरा

ताइपे। ताइवान और चीन के बीच का तनाव खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। सोमवार सुबह 6 बजे तक चीन के 16 विमान, 14 पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी और

एक जहाज को ताइवान की सीमा के पास देखा गया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ताइवान जलडमरूमध्य के पास चीनी सेनाओं की गतिविधि में अचानक से वृद्धि देखने को मिली है। मंत्रालय के अनुसार, पीएलए के 13 विमानों ने मध्य रेखा को पार करते हुए ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया।ताइवान की सेना ने स्थिति पर बारीकी से नजर रखी और घुसपैठ का तुरंत जवाब दिया। मंत्रालय ने आश्वासन दिया कि स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। ताइवान के सैन्य विमानों और जहाजों द्वारा घुसपैठ असामान्य नहीं है, लेकिन इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जो ताइवान और चीन के बीच चल रहे भू-राजनीतिक तनाव को दर्शाता है। इससे पहले रविवार, 28 जुलाई को, ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने अपने क्षेत्र के पास नौ जहाजों को देखा था। ताइवान और चीन के बीच हमेशा से विवाद बना रहा है। बीजिंग ताइवान को एक अलग प्रांत के रूप में देखता है और द्वीप पर अपनी संप्रभुता का दावा करता है।बढ़ते खतरे के बीच, ताइवान ने 22 जुलाई से हान कुआंग नामक सैन्य अभ्यास शुरू किया है। ताइवान जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच, चीन ने अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है और इस क्षेत्र में लगातार अभ्यास किए हैं।

बॉलीवुड/टेली मसाला

बर्थडे पर संजय दत्तने नई फिल्म का किया एलान, 'डेविल' बने 'बाबा' का लुक देख फैंस हुए हैरान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त 29 जुलाई को अपना 65वां जन्मदिन मना रहे हैं। एक्टर को जन्मदिन पर ढेर सारी बधाइयां मिल रही हैं। वाइफ मान्यता ने इंस्टाग्राम पर उन्हें प्यार भरे अंदाज में विश किया। ऐसे में अब अभिनेता ने अपने फैंस को खास सरप्राइज दिया है। उन्होंने अपनी नई फिल्म की घोषणा की है और पोस्टर भी साझा किया है। एक बार फिर अभिनेता साउथ फिल्म में नजर आने वाली है आखिरी बार उन्हें फिल्म लियो में देखा गया था और अब वो जल्द 'केडी'- द डेविल' में नजर आएंगे। अभिनेता ने जन्मदिन के मौके पर अपने इंस्टाग्राम पर आने वाली फिल्म 'केडी'- द डेविल' की घोषणा की है और फर्स्ट लुक पोस्टर भी साझा किया। इस फिल्म में वो 'धक देवा' का किरदार निभाएंगे। एक्टर ने कैप्शन में लिखा- दैत्य लोकतंत्र के भगवान धक देवा, केडी के विंटेज युद्ध क्षेत्र में कदम रखा है और अब तूफान लाने की बारी है। इस पोस्टर में अभिनेता एक विंटेज कार के सामने खड़े हुए हैं सिर पर पुलिस की कैप, हाथ में लाल छड़ी, गले में पुलिस बेल्ट, लेपर्ड प्रिंट शर्ट, उस पर डेनिम जैकेट, नीचे काली लुंगी, पैरों में बूट, बड़े-बड़े बाल और दाढ़ी, आखों पर चश्मा और माथे पर तिलक लगाए नजर आ रहे है। ध्रुव सर्जा स्टारर 'केडी'- द डेविल' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रेशमा, नोरा फतेही, शिल्पा शेट्टी और विजय सेतुपति अहम रोल में होंगे। फिल्म 13 नवंबर को कनन्ड़ भाषा में रिलीज होगी। बता दें, इस मूवी को प्रेम ने लिखा और डायरेक्ट भी वही कर रहे हैं। फिल्म के निर्माता सुप्रीत हैं और केवीएन प्रोड्क्शन के बैनर तले फिल्म बन रही है।

सुनामी बनकर आई ह्यू जैकमैन रायन रेनॉल्ड्स की फिल्म

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) की बहुप्रतीक्षित की अपार सफलता के पीछे एमसीयू की मजबूत फैन फॉलोइंग और बेहतरीन मार्केटिंग रणनीति का बड़ा

फिल्म 'डेडपूल और वुल्वरिन ने अपने पहले वीकेंड में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते हुए दुनियाभर में 438 मिलियन डॉलर की भारी-भरकम कमाई कर ली है। ये फिल्म दर्शकों और समीक्षकों दोनों से तारीफ बटोर रही है और एमसीयू की एक और बड़ी हिट साबित हुई है।डेडपूल और वुल्वरिन में रायन रेनॉल्ड्स डेडपूल और ह्यू जैकमैन ने वूल्वरिन के तौर अपनी प्रतिष्ठित भूमिकाओं में वापस की हैं। इन दोनों एक्टर्स की केमिस्ट्री और एक्टिंग इम्प्रेस करने वाली है। फिल्म की कहानी, एक्शन सीक्वेंस और ह्यूमर ने दर्शकों को थिएटर तक खींच लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डेडपूल और वुल्वरिन के निर्देशक डेविड लीच ने इस परियोजना को बड़े ही शानदार ढंग से पेश किया है, जिसमें दोनों सुपरहीरो के बीच की खट्टी-मीठी नोकझोंक को बखूबी दर्शाया गया है। इस फिल्म ने न केवल एक्शन और एडवेंचर के शौकीनों को, बल्कि कॉमिक्स के फैंस को भी एक बेहतरीन तोहफा दिया है। फिल्म हाथ है। डेडपूल और वुल्वरिन की धमाकेदार ओपनिंग ने साबित कर दिया है कि सुपरहीरो फिल्मों का क्रेज अभी भी दर्शकों के बीच बरकरार है। पहले वीकेंड की कमाई ने फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर एक मजबूत शुरुआत दी है और इसके आने वाले हफ्तों में और भी अधिक कमाई करने की संभावना है। वैरायटी की रिपोर्ट के अनुसार, 'डेडपूल और वुल्वरिन ने ओपनिंग वीकेंड में अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर लगभग 19 अरब और ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 36 अरब के करीब कमाए हैं। डेडपूल और वुल्वरिन की इस धमाकेदार सफलता ने बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड्स की उम्मीदों को भी बढ़ा दिया है। फिल्म की इस बेमिसाल कमाई ने फिल्म इंडस्ट्री में एक नई लहर पैदा कर दी है। ट्रेड एनालिस्ट ये भी अनुमान लगा रहे है कि 'डेडपूल और वुल्वरिन बिलियन डॉलर क्लब में भी शामिल हो सकती है। ये रिकॉर्ड अब तक सिर्फ 2019 में आई रेटेड फिल्म 'जोकर' बना पाई है।

आर्यन खान ने दिल्ली में खरीदे करोड़ों के दो फ्लैट, पापा शाह रुख और मम्मी गौरी से है खास कनेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शाह रुख खान की तरह उनके बेटे आर्यन खान जल्द फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं, लेकिन हीरो के तौर पर नहीं बल्कि निर्देशक घर कोई ऐसा वैसा घर नहीं है बल्कि इसका नाता गौरी खान और शाह रुख से है। द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आर्यन ने दिल्ली के संभ्रांत पंचशील पार्क इलाके हो सकती है। इसमें मोना सिंह नजर आने वाली हैं। वह इस शो में एक ऐसा कैरेक्टर प्ले करेंगी, जो लाल सिंह चड्ढा एक्ट्रेस ने इससे पहले कभी नहीं निभाया। बता दें

के तौर पर वो अपना डेब्यू करेंगे। काफी समय से आयर्न की वेब सीरीज 'स्टारडम' काफी सुर्खियों में है। हालांकि, बीते दिनों इसकी शूटिंग भी पूरी हो चुकी है। अब सीरीज पर एडिटिंग का काम चालू है। ऐसे में अब आर्यन को लेकर एक और खबर आ रही हैं। कहा जा रहा है कि शाह रुख खान के बेटे ने दिल्ली में घर खरीदा है। ये में है। जहां उन्होंने 37 करोड़ रुपये के दो फ्लोर खरीदे है। दिलचस्प बात यह है कि यह वहीं इमारत है जहां शाह रुख के साथ शादी से पहले उनकी मां गौरी खान रहती थीं। इस बिल्डिंग का ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर शाह रुख और गौरी खान ने पहले ही खरीदा हुआ है। आर्यन खान की वेब सीरीज 'स्टारडम' दिसंबर के आखिरी हफ्ते में रिलीज कि स्टारडम शो की ज्यादातर शूटिंग मुंबई में हुई इसके अलावा दिल्ली में भी कुछ हिस्सों की शूटिंग हुई है। तो वहीं, दूसरी तरफ शाह रुख खान के बेटे अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुखिर्यों में रहते हैं। कहा जा रहा है कि वह काफी समय से मॉडल लैरिसा बोन्सी को डेट कर रहे हैं, जो ब्राजील की रहने वाली है।

लेडी गागा ने फैंस को किया सरप्राइज, माइकल पोलांस्की संग सगाई की ओर किया इशारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमेरिकन सिंगर और एक्ट्रेस लेडी गागा अक्सर अपने लेकर चर्चा में रहती हैं । यूं तो एक्ट्रेस का नाम कई सेलेब्स के साथ जुड़ा है और कुछ वक्त के बाद सिंगर ने हाल ही में पेरिस ओलंपिक में ओपनिग के दौरान परफॉर्म किया था। इस दौरान उन्होंने समारोह में

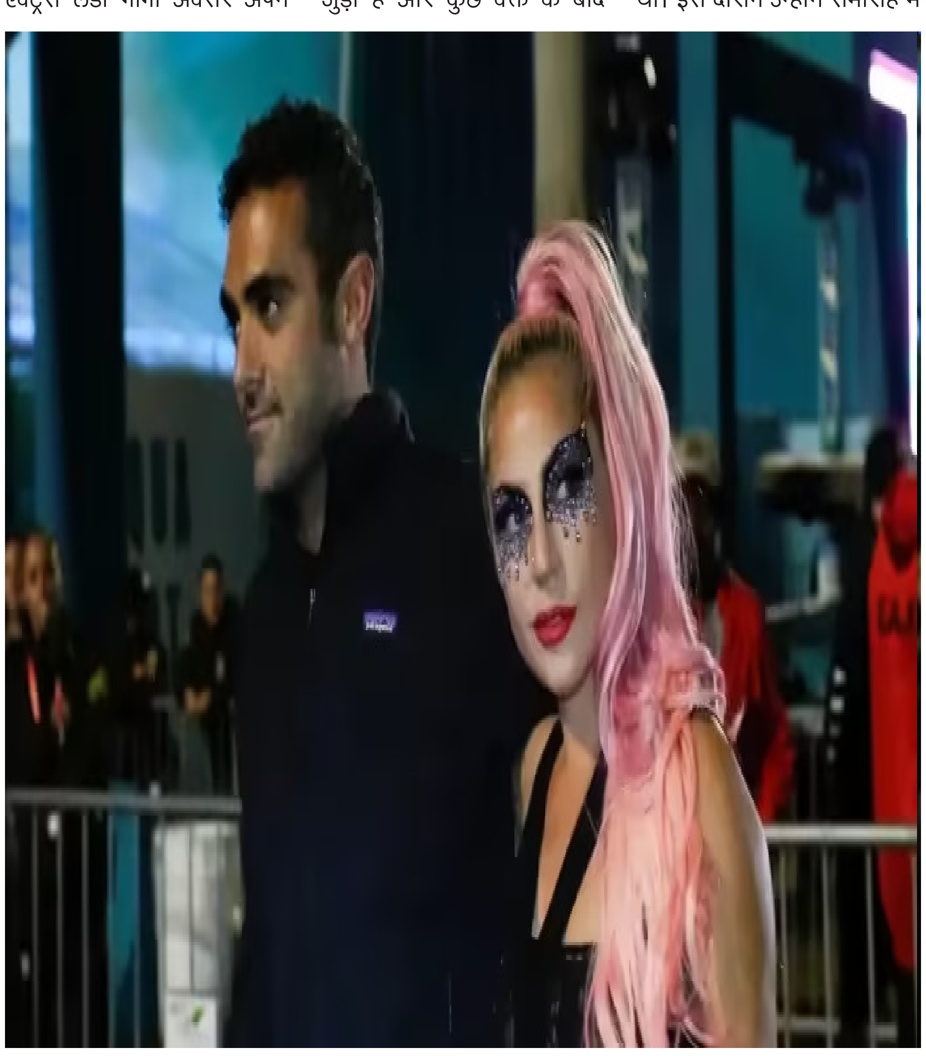

फैशन और बोल्ड फोटोज के चलते सोशल मीडिया पर सुखिर्यों में रहती हैं। इतना ही नहीं लेडी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी मीडिया में बनी रहती हैं। अब एक बार फिर कुछ ऐसा ही हुआ है।अप्रैल में अभिनेत्री की सगाई की खबर सामने आई थी। वहीं अब इन खबरों ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। तीन महीने बाद लेडी गागा की सगाई की खबर फिर सामने आ रही है और इस बार इसका खुलासा खुद उन्होंने किया है।एक्ट्रेस लेडी गागा अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को ब्रेकअप की भी खबर सामने आई है लेकिन कहा जा रहा है कि उन्होंने से सगाई कर ली है । बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड सेलेब्स शादी के बंधन में बंधते नजर आ रहे हैं। इस लिस्ट में अब एक और नाम भी जुड़ने वाला है। कहा जा रहा है कि लेडी गागा ने सगाई कर ली है और अब जल्द शादी करने जा रही हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पेरिस ओलंपिक में उन्होंने फ्रांस के प्रधान मंत्री गैब्रियल अटाल के साथ बात करते हुए देखा गया और उन्होंने माइकल पोलांस्की को अपना मंगेतर बताया। बता दें, डांस किया था। बता दें, अप्रैल में लेडी गागा की एक्स अकाउंट पर फोटो वायरल हुई थी, जिसमें उनके हाथ में सगाई की रिंग नजर आई थी। बता दें, लेडी गागा की दो बार सगाई हुई थी, लेकिन कुछ वक्त के बाद उनका रिश्ता टूट गया। साल 2015 में उन्होंने शिकागो फायर स्टार टेलर किनने से सगाई की थी, लेकिन 2 साल बाद दोनों अलग हो गए थे। इसके बाद उन्होंने हॉलीवुड टैलेंट एजेंट क्रिश्चियन कैरिनो संग डेटिंग की और सगाई की थी और साल 2019 की शुरुआत में उनका ब्रेकअप हो गया।

जन्मदिन के मौके पर संजय दत्त को बेटी त्रिशाला और वाइफ मान्यता दत्त ने दी बधाइ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सन ऑफ सरदार 2 के अभिनेता संजय दत्त आज अपना 65वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस

मौके पर उनके चाहने वाले उन्हें बधाई दे रहे हैं। इस बीच उनकी वाइफ मान्यता दत्त ने भी विश किया है। इसके अलावा अभिनेता की बड़ी बेटी त्रिशाला दत्त ने भी पापा को खास अंदाज में बर्थडे विश दी है। मान्यता दत्त का जन्मदिन पोस्ट आज यानी 29 जुलाई को मान्यता दत्त ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पति के लिए स्पेशल बर्थडे पोस्ट का एक वीडियो शेयर किया है। इस क्लिप में उन्होंने अभिनेता के साथ खास पलो की तस्वीरों के साझा की है और लिखा है- ठमेरे जीवन साथी को जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई। मेरे सबसे मजबूत और जीवन समर्थन प्रणाली से भरपूर। आपका आंतरिक प्रकाश सभी बाधाओं को पार कर जाता है, किसी भी कठिनाइयों और चुनौतियों पर काबू पा लेता है। आपके पास है निःस्वार्थ और बिना शर्त प्यार करने की क्षमता, इसे ऐसे ही बनाए रखें।पर्दे पर लगभग 40 साल तक नजर आ रहे संजय दत्त अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस साल संजू बाबा पूरे 65 साल के हो चुके हैं लेकिन उनकी फिटनेस को देखकर उनकी उम्र का अंदाजा लगाना मुश्किल है । ऐसे में पतनी मान्यता दत्त ने उन्हें विश किया है। अभिनेता के साथ इन दिनों कई फिल्मों में है । मान्यता दत्त ने आगे अपने पोस्ट में लिखा ठआप न केवल मेरे लिए, बल्कि कई अन्य लोगों के लिए अनमोल और विशेष हैं।

ब्रेकअप की खबरों के बीच मूवी डेट पर स्पॉट हुए ऋतिक रोशन और सबा आजाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एक्टर ऋतिक रोशन तलाक के बाद पिछले कुछ सालों से एक्ट्रेस और सिंगर सबा आजाद को डेट कर रहे हैं। इस कपल को कई बार एक साथ मुंबई में भी स्पॉट सोशल मीडिया पर इस कपल के रिलेशनशिप को लेकर तरह-तरह की अफवाहें उड़ रही थीं ।ऐसे में सोशल मीडिया पर इस कपल के रिलेशनशिप को लेकर तरह-तरह की अफवाहें उड़ रही थीं। कहा जा अकेले ही नजर आए थे। ऐसे में ब्रेकअप की अफवाहें बढ़ गई। खैर, अब उन यूजर्स के लिए यह मुंह तोड़ जवाब है, जिन्होंने इस तरह की अफवाह उड़ाई थी। इस मौके पर ये कपल अपने चेहरे पर मास्क

किया गया है, लेकिन पिछले कुछ समय से दोनों एक साथ नजर नहीं आ रहे थे। ऐसे में सोशल मीडिया पर इस कपल के रिलेशनशिप को लेकर तरह-तरह की अफवाहें उड़ रही थीं। कहा जा रहा है कि दोनों का ब्रेकअप हो गया। इन खबरों के बीच ये कपल रविवार को मूवी डेट पर नजर आए। को आखिरी बार दीपिका पादुकोण के साथ फिल्म फाइटर में देखा गया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक चली थी । वहीं अब देर रात अभिनेता को गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ स्पॉट किया गया है । बीते दिनों रहा है कि दोनों का ब्रेकअप हो गया। इन खबरों के बीच ये कपल रविवार को मूवी डेट पर नजर आए। बीते दिनों ऋतिक रोशन को कई इवेंट में अकेले देखा गया था। ऐसे में सोशल मीडिया पर खबर सामने आई की उनका और सबा का ब्रेकअप हो गया। हाल ही में एक रेडिट पर एक पोस्ट वायरल हुआ था, जिसमें बताया गया था कि ऋतिक सबा के बिना अनंत अंबानी की शादी में शामिल हुए थे। इसके अलावा फिल्म निर्माता-कोरियोग्राफर फराह खान की मां मेनका ईरानी के अंतिम संस्कार में भी अभिनेता लगाए नजर आया। वीडियो में देख सकते हैं सबा ने ऋतिक का हाथ थामा हुआ है और ये कपल बिल्डिंग से बाहर निकता नजर आ रहा है। मूवी आउटिंग के लिए वे दोनों कैजुअल लुक में थे। अभिनेता ऋतिक रोशन के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार 'फाइटर' में देखा गया था। इन दिनों अभिनेता अपने कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। तो वहीं सबा आजाद की बात करें तो वह एक अभिनेत्री, थिएटर निर्देशक और संगीतकार हैं। दिल कबड्डी से राहुल बोस के साथ बॉलीवुड में शुरुआत की थी।

अनगिनत रिजेक्शन से टूट गई थीं ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना रोशन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ऋतिक रोशन की फिल्म 'कोई मिल गया' है, जिसने उनकी चचेरी बहन पश्मीना रोशनको फिल्मों में आने के लिए मजबूर किया। वह जब फिल्म के सेट पर गई, तभी उन्होंने ठान लिया था कि वह अभिनेत्री बनेंगी। मगर जब उन्होंने अभिनय की राह चुनी तब रिजेक्शन ने उन्हें एक पल के लिए तोड़ दिया था। फिल्म डायरेक्टर राजेश रोशन की बेटी पश्मीना रोशन ने 'इश्क विश्क रिबाउंड' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। फिल्म में उन्होंने रोहित सराफ, जिबरान खान और नैला ग्रेवाल जैसे सितारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। यूं तो वह फिल्मी बैकग्राउंड से से आती हैं, लेकिन रिजेक्शन का सामना उन्हें भी करना पड़ा है। एक हालिया इंटरव्यू में पश्मीना ने रिजेक्शन के दिनों को याद किया है।ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन फिल्मी दुनिया में कदम रख चुकी हैं। इश्क विश्क रिबाउंड से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया है। रोशन परिवार से तालुक रखने वालीं पश्मीना ने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि शुरू में उन्हें भी रिजेक्शन का सामना करना पड़ा है।

राजीव खंडेलवाल ने पाकिस्तानी कलाकारों को बैन करने पर किया रिएक्ट, कहा- राजनेता लाते हैं हिंदू-मुस्लिम एंगल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने हाल ही में पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध को लेकर अपनी नाराजगी जताई है। एक इंटरव्यू में उन्होंने इस मुद्दे पर अपने विचार साझा किए और इसे राजनीति से प्रेरित बताया। राजीव खंडेलवाल ने कहा कि जहां अमन चैन हो सकता है, वहां भी हिंदू - मुस्लिम की बात करके चीजें खराब कर दी जाती हैं। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में उन्होंने पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगाने के बारे में बोलते हुए कहा, ठनहीं नहीं, ये राजनीति है। बहुत गलत

है। लोगों को बैन करने वाले कौन होते हैं राजनेता। हमारी राजनीति कुछ चीजों को तय करती है। जहां पर प्यार बढ़ सकता है, उस प्यार को भी आप बढ़ाने नहीं दे रहे, चाहे किसी भी कारण से। इसलिए, मुझे ये समझ में नहीं आता। उन्होंने आगे कहा, ठमेरा कमेंट करना भी गलत होगा, क्योंकि मुझे समझ ही नहीं आता है कि क्यों। हम अमन की बात करते हैं ना, तो जहां अमन बन रहा है वहां भी राजनीतिक पार्टी के लोग आ के उनको हिंदू- मुस्लिम का एंगल दे देते हैं। तो वो गलत है। ऐसा थोड़ी है कि पाकिस्तान की सरकार उन्हें एजेंट की तरह भेज रही है। पता नहीं। मैंने बहुत प्यार आते देखा है।राजीव खंडेलवाल हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज शोटाइम के दूसरे सीजन में नजर आए थे। जहां उन्होंने इमरान हाशमी, मौनी रॉय और नसीरुद्दीन शाह के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर किया था। राजीव ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टीवी शो कहीं तो होगा से किया था, जो डेली सोप की दुनिया में सुपरहिट रहा था। इसके बाद उन्होंने आमिर (2008) से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। बाद में उन्होंने शैतान (2011) और टेबल नंबर 21 (2013) जैसी फिल्मों में अभिनय किया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।